RNI-UPHIN/2009/30721

शनिवार 05 जुलाई 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :28 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 24 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 इज ऑफ डूइंग बिजनेस यानि ग्राम सभा माई फुट

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 260 | गाजियाबाद, शनिवार 05 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

134वें डूरंड कप ट्रॉफियों को राष्ट्रपति ने हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

विरासत और राष्ट्रीय गौरव से भरे इस ऐतिहासिक क्षण में, भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (आरबीसीसी) से 134वें इंडियनऑयल डूरंड कप, एशिया का सबसे पुराना और भारत का सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट, को औपचारिक रूप से प्रारंभ करते हुए तीन प्रतिष्ठित डूरंड कप ट्रॉफियों को रवाना किया।

यह लगातार दूसरा वर्ष है जब राष्ट्रपति ने यह प्रतीकात्मक कार्य किया है, जो डूरंड कप की खेल, सेवा और राष्ट्रभक्ति के संगम के रूप में स्थायी महत्व की पुष्टि करता है। यह समारोह स्वतंत्रता के बाद की उस गौरवशाली परंपरा को भी जारी रखता है, जिसमें देश के सर्वोच्च सेनापति की डूरंड कप से सीधी भागीदारी रही है।

आरबीसीसी में आयोजित इस समारोह में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी, वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह और ईस्टर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ तथा डूरंड कप आयोजन समिति (डीसीओसी) के संरक्षक लेफ्टिनेंट जनरल आर.सी. तिवारी उपस्थित थे। इस अवसर पर अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध भारतीय फुटबॉलर संदेश झिंगन भी मौजूद थे।

राष्ट्रपति भवन में हुआ भव्य आयोजन

इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि डूरंड कप भारत की फुटबॉल विरासत और सशस्त्र बलों की खेलों के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा, "फुटबॉल करोड़ों लोगों के दिलों में खास जगह रखता है। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि जुनून है। फुटबॉल रणनीति, सहनशक्ति और सामूहिक प्रयास का प्रतीक है।

डूरंड कप जैसे आयोजन खेल की भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ अगली पीढ़ी के फुटबॉल खिलाड़ियों को विकसित करने का मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने डूरंड कप की भावना को जीवित रखने और उसे प्रोत्साहित करने में सशस्त्र बलों की भूमिका की सराहना की।" मुख्य रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने कहा, "डूरंड कप हमारे सशस्त्र बलों और देश की सर्वोत्तम परंपराओं का प्रतीक है – साहस, अनुशासन और एकता की विरासत।

इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता के एक और अध्याय की शुरुआत पर हमें भारत की राष्ट्रपति की उपस्थिति का गौरव प्राप्त हुआ है। यह आयोजन खेल, सेवा और भारतीय भावना के अटूट संबंध को फिर से स्थापित करता है।" ईस्टर्न कमांड के जीओसी-इन-सी और डीसीओसी के संरक्षक लेफ्टिनेंट जनरल आर.सी. तिवारी ने भी अपने संबोधन में देश की युवा फुटबॉल प्रतिभाओं के लिए डूरंड कप के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, "सशस्त्र बलों की ओर से भारतीय सेना द्वारा आयोजित डूरंड कप एक फुटबॉल टूर्नामेंट से कहीं अधिक है।

यह भारत की एकता में विविधता का उत्सव है, प्रतिस्पर्धा के माध्यम से चरित्र निर्माण का विश्वास है और अनुशासन, टीमवर्क और आत्मबल जैसे समय-सिद्ध मूल्यों के जरिए अगली पीढ़ी को तैयार करने का दायित्व है।"

कई बार राष्ट्रीय टीम की कप्तानी कर चुके संदेश झिंगन ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, "हम आज केवल एक ट्रॉफी का अनावरण नहीं कर रहे हैं, बल्कि उस विरासत और सदियों पुरानी परंपरा का उत्सव मना रहे हैं, जिसने भारतीय सेना की अटूट प्रतिबद्धता और बलिदान के बल पर भारतीय फुटबॉल की यात्रा को आकार दिया है – वह परंपरा है डूरंड कप।"

दिल्ली क्षेत्र के जीओसी और डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट सोसायटी की स्टैंडिंग वर्किंग कमेटी के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल भवनीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा, "डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट सोसायटी लंबे समय से भारत में फुटबॉल को प्रोत्साहित करने की उत्कृष्ट परंपरा का प्रतीक रही है। हम इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी टीमों को सफल और जोशपूर्ण मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।"

शाह ने पुणे में थोरेल बाजीराव की प्रतिमा का किया अनावरण

✷ वेबवार्ता. पुणे ✷

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां खड़कवासला में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में थोरेल बाजीराव पेशवा की प्रतिमा का अनावरण किया।

श्री शाह ने बाजीराव की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद कहा, " पेशवा बाजीराव के स्मारक के लिए सबसे उपयुक्त स्थान खडकवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी है, जहां तीनों सेनाओं के सैनिक प्राथमिक प्रशिक्षण लेते हैं, वहां पर पेशवा बाजीराव की प्रतिमा स्थापित करने से हमारे भावी सैनिक उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आने वाले वर्षों के लिए हमारी सीमाओं को मजबूत करेंगे।" यह प्रतिमा लगभग 13.5 फुट ऊंची है, जिसे चार हजार किलोग्राम कांस्य धातु से बनाया गया है। इस प्रतिमा को श्रीमठ थोरेल बाजीराव पेशवा प्रतिष्ठान द्वारा एनडीए को दान में दिया था। केन्द्रीय गृह मंत्री दो दिनों तक 'दक्कन की रानी' में रहेंगे और आज दिन में पुणे में कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्रतिमा के अनावरण के मौके पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री अजित पवार, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चन्द्रकांत पाटिल और केन्द्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर माहोल तथा अन्य मंत्री उपस्थित थे। भारतीय जनता पार्टी की राज्य सभा सांसद मेधा कुलकर्णी ने मांग की है कि पुणे रेलवे स्टेशन का नाम महान थोरेल बाजीराव पेशवा के नाम पर रखा जाए, जिन्हें बाजीराव प्रथम के नाम से भी जाना जाता है।

गौरतलब है कि थोरेल बाजीराव पेशवा 1720 से 1740 के बीच छत्रपति शाहू प्रथम के अधीन पेशवा थे और उन्हें उनकी सैन्य शक्तियों के

कोर्ट का HDFC बैंक के CEO की याचिका पर विचार करने से इनकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय ने एचडीएफसी बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक शशिधर जगदीशन की उस याचिका पर शुक्रवार को विचार करने से इनकार कर दिया जिसमें उन्होंने लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट की शिकायत पर उनके खिलाफ दर्ज धोखाधड़ी और जालसाजी की प्राथमिकी को चुनौती दी थी। लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट मुंबई के प्रसिद्ध लीलावती अस्पताल का संचालन करता है। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि यह मामला पहले ही 14 जुलाई को बंबई उच्च न्यायालय में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। पीठ ने कहा,'' हम इस मामले पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। हम इसके गुण-दोष पर विचार नहीं करेंगे। यदि 14 तारीख को मामले की सुनवाई नहीं होती है तो आप वापस आइएगा।''

मतदाता सूचियों का विशेष पुनरीक्षण एक 'हास्यास्पद' कवायद, तत्काल बंद किया जाए : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को शुक्रवार को ''हास्यास्पद'' कवायद करार दिया और कहा कि इसे तत्काल बंद होना चाहिए। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने निर्वाचन आयोग की इस कवायद से बिहार में मतदाताओं को हो रही परेशानी से संबंधित एक खबर साझा करते हुए यह आरोप भी लगाया कि लाखों मतदाताओं को मतदान से वंचित करने का प्रयास किया जा रहा है। वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''यह सरकार लोगों को तकलीफ देने में माहिर है। एसआईआर लाखों मतदाताओं को उनके मताधिकार से वंचित करने की कुत्सित कवायद है। अनावश्यक जल्दबाजी, और विपक्ष द्वारा उठाई गई वास्तविक चिंताओं को संबोधित करने से उनका पूर्ण इनकार, यह बिहार में चुनाव प्रणाली को नष्ट करने का एक स्पष्ट प्रयास है।'' उन्होंने कहा, ''हम ऐसा नहीं होने देंगे। उन्हें इस हास्यास्पद कवायद को तत्काल बंद कर देना चाहिए।''

हजारों छात्र प्रभावित होंगे : SC में नीट-यूजी 2025 के नतीजों को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक प्रश्न में कथित त्रुटि के कारण नीट-यूजी 2025 के परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि उसने दो दिन पहले इसी तरह की एक अन्य याचिका खारिज कर दी थी और वह व्यक्तिगत परीक्षाओं पर विचार नहीं कर सकती। पीठ ने कहा, ''हमने समान मामलों को खारिज कर दिया है। हम सहमत हैं कि कई सही उत्तर हो सकते हैं। लेकिन हम उस परीक्षा में हश्तक्षेप नहीं कर सकते जिसमें लाखों अभ्यर्थी बैठते हैं। यह किसी एक व्यक्ति का मामला नहीं है। हजारों छात्र प्रभावित होंगे।''

मेडिकल कॉलेज नियामक ढांचे में हेरफेर, सीबीआई ने सरकारी अधिकारियों समेत 34 लोगों पर मामला दर्ज किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सीबीआई ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के अधिकारियों, बिचौलियों और निजी मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधियों के एक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जो भ्रष्टाचार और मेडिकल कॉलेजों को नियंत्रित करने वाले नियामक ढांचे में हेरफेर सहित कई ''घोर'' कृत्यों में कथित तौर पर शामिल थे।

त्रिनिदाद में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड जारी होंगे : मोदी

✷ वेबवार्ता. पोर्ट ऑफ स्पेन ✷

प्रधानमंत्री ने त्रिनिदाद- टोबैगो में भारतीय समुदाय के लोगों के अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित और पोषित करने के मजबूत इरादों की सराहना करते हुए कहा है कि इस देश में उनकी यात्रा साहस और परिश्रम की गाथा है।

पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण में गुरुवार देर रात घाना से त्रिनिदाद- टोबैको पहुंचे श्री मोदी ने यहां भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए घोषणा की कि इस देश में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को 'ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया' यानी ओसीआई कार्ड जारी किए जाएंगे।कार्यक्रम में श्री मोदी का स्वागत करते हुए त्रिनिदाद-टोबैगो के प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर ने उन्हें देश सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एवं टोबैगो' से सम्मानित करने की घोषणा की।

श्री मोदी ने इस अवसर पर भारतीय समुदाय के दृढ इरादों के लिए उनकी सराहना की तथा उनके साथ संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अब त्रिनिदाद - टोबैगो में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड जारी किए जाएंगे। भारतीय समुदाय के लोगों ने इसका जोरदार तालियों से स्वागत किया।

श्री मोदी ने प्रधानमंत्री बिसेसर को उनकी गर्मजोशी और दोनों देशों के बीच जीवंत तथा विशेष संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि त्रिनिदाद- टोबैगो अपने तटों पर भारतीय प्रवासियों के पहले आगमन की 180वीं वर्षगांठ मना रहा है और इस मौके पर उनकी यह ऐतिहासिक यात्रा और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। श्री मोदी ने भारतीय प्रवासियों की उनके लचीलेपन, सांस्कृतिक समृद्धि तथा त्रिनिदाद - टोबैगो में उनके अपार योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासी अपनी भारतीय सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं को संरक्षित और पोषित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह इन लोगों के साहस और परिश्रम की गाथा है।

पीएम ने जोर देकर कहा कि भारत गिरमिटिया विरासत को पोषित करने के लिए कई पहलों कर रहा है। उन्होंने बुनियादी ढांचे, डिजिटल प्रौद्योगिकियों, विनिर्माण, हरित मार्गों, अंतरिक्ष, नवाचार और स्टार्ट-अप के क्षेत्र में भारत के तेजी से विकास और परिवर्तन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने समावेशी विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है और 25 करोड़ से अधिक लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है।

भारत की विकास कहानी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि देश जल्द ही दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। पीएमने कहा, कृत्रिम बुद्धि (एआई), सेमीकंडक्टर और क्वांटम कंप्यूटिंग पर राष्ट्रीय मिशन देश के विकास के नए इंजन बन रहे हैं। भारत में यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान की सफलता का जिक्र करते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की कि त्रिनिदाद- टोबैगो में इसे अपनाना समान रूप से उत्साहजनक होगा।

PCI अध्यक्ष के परिसरों पर सीबीआई का छापा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सीबीआई ने फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) के अध्यक्ष मोंटू एम. पटेल के परिसरों पर छापेमारी की। पटेल के खिलाफ फार्मेसी कॉलेजों के निरीक्षण और अनुमोदन प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार एवं प्रणालीगत अनियमितताओं के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि पटेल के खिलाफ यह कार्रवाई प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों के आधार पर की गई, जिसमें कॉलेजों को मंजूरी देने में कथित भ्रष्टाचार, नियंत्रण और संभावित हेरफेर के उदाहरण सामने आए थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव की शिकायत के आधार पर सीबीआई ने फार्मेसी कॉलेजों द्वारा मान्यता प्राप्त करने के तरीकों की जांच की, जिसमें स्थापित मानदंडों का अनुपालन न होने और पारदर्शिता की कमी सामने आई।ऑनलाइन निरीक्षण से शुरू हुआ भ्रष्टाचार प्रारंभिक जांच के अनुसार, पटेल के कार्यकाल में मानक निरीक्षण प्रारूप (एसआईएफ) के ऑनलाइन आवेदनों को लागू किया गया।

ऑनलाइन निरीक्षण से ही कथित भ्रष्टाचार की शुरुआत हुई। इसका प्रमुख उदाहरण अयोध्या स्थित रामेश्वर प्रसाद सत्य नारायण महाविद्यालय का मामला है।

नकारात्मक रिपोर्ट के बावजूद दी अनुमति अधिकारियों ने कहा कि तीन जुलाई 2023 को आठ मिनट के ऑनलाइन निरीक्षण के बावजूद, जिसमें प्राचार्य की अनुपस्थिति और गैर-अनुपालन वाले बुनियादी ढांचे का उल्लेख किया गया था। अनुपालन रिपोर्ट के आधार पर पटेल ने निरीक्षकों की नकारात्मक रिपोर्ट के बावजूद संस्थान को डी. फार्मा पाठ्यक्रम संचालित करने की मंजूरी दे दी। इसके अलावा पटेल की अध्यक्षता वाली कार्यकारी समिति ने छह अन्य कॉलेजों एसएसडी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, गगन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, शांति देवी जैन डिग्री कॉलेज, हेवर्ड कॉलेज ऑफ फार्मेसी, वीर शिवाजी कॉलेज ऑफ फार्मेसी और सुभावती कॉलेज ऑफ फार्मेसी को भी मंजूरी दे दी।

चीन के लिए 'प्रयोगशाला बना भारत-पाक संघर्ष : उप सेना प्रमुख

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष को लेकर चीन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि चीन ने इस संघर्ष को अपने हथियारों के परीक्षण के लिए 'लाइव लैब की तरह इश्तेमाल किया।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा आयोजित 'न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, चीन ने इस संघर्ष के बहाने भारत को चोट पहुंचाने की रणनीति अपनाई और पाकिस्तान को हर संभव सहायता मुहैया कराई।

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा, 'उधारी की छुरी से हत्या की रणनीति के तहत चीन ने पाकिस्तान को आगे कर भारत को निशाना बनाया। हमने तीन दुश्मनों का सामना किया लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा, हम वाश्तव में तीन दुश्मनों से जूझ रहे थे। पाकिस्तान सामने था, पर पर्दे के पीछे चीन हर संभव मदद दे रहा था।

तुर्किये भी इस प्रयास में शामिल था, जो पाकिस्तान को सैन्य उपकरण उपलब्ध करा रहा था। उन्होंने बताया, पाकिस्तान को मिलने वाले 81% सैन्य उपकरण चीन से आते हैं। ऑपरेशन सिंदूर 'मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ उप सेना प्रमुख ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य रणनीति का एक 'मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ।

इसने न केवल संभावित युद्ध को रोका, बल्कि यह भी साबित किया कि भारत किसी भी स्थिति में निर्णायक बढ़त बनाए रखने में सक्षम है। उन्होंने कहा, युद्ध छेड़ना आसान है, लेकिन उसे नियंत्रित करना बेहद कठिन होता है। ऑपरेशन सिंदूर उसी संतुलन का प्रतीक था, जहां हमने वक्त रहते स्थिति को काबू में कर लिया।

सहनशीलता के बजाय जवाब देने की नीति लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा, भारत की सैन्य रणनीति में अब सहनशीलता के बजाय स्पष्ट और निर्णायक जवाब देने की नीति अपनाई जा रही है। जिस तरह से कुछ वर्ष पहले 'दर्द को सहा गया था, वैसा अब नहीं होगा। हमें हमेशा बढ़त बनाए रखनी होगी और उद्देश्य प्राप्त होते ही सही समय पर रुकना होगा।

ड्रोन पर रणनीति बनेगी लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा, भविष्य के युद्धों में एक कंप्यूटर का जानकार भी देश की रक्षा प्रणाली को संभाल सकता है। ड्रोन तकनीक के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने खुलासा किया, सितंबर-अक्तूबर तक एक ड्रोन फ्रेमवर्क जारी किया जाएगा। सेना में ड्रोन की जरूरत बहुत ज्यादा है।

सब लेफ्टिनेंट पूनिया बनी नौसेना की पहली महिला फाइटर पायलट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय नौसेना ने इतिहास रच दिया है। सब लेफ्टिनेंट आस्था पूनिया को आधिकारिक रूप से नौसेना के फाइटर स्ट्रीम में शामिल कर लिया गया है।

वे इस स्ट्रीम में जगह पाने वाली पहली महिला अधिकारी बन गई हैं। इससे महिला अधिकारियों के लिए लड़ाकू भूमिकाओं के द्वार खुल गए हैं।

आस्था पूनिया को 'विंग्स ऑफ गोल्ड' सम्मान प्रदान किया गया, जो नौसेना की फाइटर पायलट बनने की पात्रता का प्रतीक है।

यह सम्मान उन्हें रियर एडमिरल जनक बेवली, सहायक नौसेना स्टाफ (एयर) की तरफ से आईएनएस डेगा, विशाखापत्तनम में दिया गया। इस मौके पर लेफ्टिनेंट अतुल कुमार ढुल को भी यह सम्मान प्राप्त हुआ।

कुलपतियों की नियुक्ति : तमिलनाडु की याचिका पर SC विचार करेगा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह तमिलनाडु के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित 2020 के नौ अधिनियमों के संचालन पर रोक लगाने के खिलाफ दायर राज्य सरकार की याचिका पर विचार करेगा।

न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी की दलीलें सुनने के बाद याचिका पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की।

पीठ ने इसके साथ ही 2020 के उन नौ अधिनियमों के संचालन पर रोक की मांग करते हुए उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका दाखिल करने वालों को नोटिस भी जारी किया।

नशीले पदार्थ सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना टप्पल पुलिस ने अभियुक्त उमेश शर्मा पुत्र मुनेश शर्मा निवासी ग्राम मंगोली थाना जेवर जिला गौतमबुद्धनगर को 01 किलो 250 ग्राम नशीला पदार्थ गाँजा सहित ग्राम मंगोली जाने वाले मार्ग ग्राम बैना के पास थाना टप्पल से गिरफ्तार किया।

चोरी के सामान व नशीले पदार्थ सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सासनीगेट पुलिस ने कारखाने से की गई चोरी में वांछित अभियुक्त रवि पुत्र अमर सिंह जाति लोहापीट निवासी गौशाला के पास बिजली घर के सामने झुग्गी झोपड़ी आगरा रोड थाना सासनी गेट जनपद अलीगढ़ को चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर मथुरा रोड पर सीवेज वाटर ट्रीटमेन्ट प्लान्ट के खाली सरकारी ग्राउण्ड के पास से 2 किग्रा 200 ग्राम गाँजा सहित गिरफ्तार किया। अभियुक्त की निशांदेही पर चिरंजी लाल स्कूल के खाली पड़े मैदान की झाडियों से चोरी की गयी नौ छोटी मूर्तियां भिन्न भिन्न देवी देवताओं की पीली धातु की, 19 यूनिट लॉक सिलेण्डर व 21 यूनिट जश्ते के अधबने हैण्डिल बरामद किये।

प्राथमिक विद्यालय से चोरी में दो अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। विगत 23 मई 2025 को थाना गंगीरी में प्राथमिक विद्यालय कनौबी थाना गंगीरी से ताला तोड़कर विद्यालय का सामान चोरी करने के सम्बन्ध में पुष्पराज सिंह प्रधानाचार्य प्राथमिक विद्यालय कनौबी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत कराया था। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना गंगीरी पुलिस ने थाना गंगीरी पर बीएनएस का सफल अनावरण कर अभियुक्तगण विष्णु पुत्र प्रेमचन्द्र निवासी नगला मसानी थाना देहलीगेट अलीगढ़ व संतोष पुत्र केदारी लाल निवासी खैर अड्डा नगला मेहताब थाना देहलीगेट जनपद अलीगढ़ को मय बरामदशुदा माल के साथ गंगीरी बाईपास से आने वाले गंगीरी गेट चौराहे से गिरफ्तार किया।

वृक्षारोपण अभियान के साथ वन महोत्सव का किया गया आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सर सैयद हॉल (नॉर्थ) में एक विशेष वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के 'हरित भारत' अभियान के तहत पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति एएमयू की गहरी प्रतिबद्धता और युवाओं में पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। अभियान का शुभारंभ प्रो. मोहम्मद गुलरेज (विभागाध्यक्ष, पश्चिम एशिया एवं उत्तर अफ्रीकी अध्ययन विभाग), प्रो. एम. वसीम अली (प्रॉक्टर), प्रो. मोहम्मद शमीम (अध्यक्ष, टीबी व चेस्ट रोग विभाग), प्रो. अनवर शहजाद (सदस्य प्रभारी, भूमि एवं उद्यान) तथा डॉ. मुस्तफा कमाल (एसोसिएट प्रोफेसर, सऊदी इलेक्ट्रॉनिक यूनिवर्सिटी, दम्माम, सऊदी अरब) द्वारा किया गया। हॉल प्रोवोस्ट प्रो. आदम मलिक खान, वरिष्ठ अधीक्षक आमिर सुहैल, हॉल स्टाफ तथा छात्र-छात्राओं ने मिलकर परिसर में विभिन्न पौधे लगाए, जिससे हरियाली को बढ़ावा मिला और वातावरण को अधिक स्वस्थ बनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर प्रो. मोहम्मद गुलरेज ने कहा कि एक पेड़ लगाना आने वाली पीढ़ियों के लिए आशा जाग्रत करना है।

स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि पर किया नमन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के जिला कार्यालय अलीगढ़ गोंडा रोड पीजरी पैंठ पर भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के कार्यकर्ताओं ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर मनाई। वहीं भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी सत्यवीर सिंह सत्तो ने बताया स्वामी विवेकानंद ने युवाओं के लिए कहा था उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए। वे युवाओं में आशा और उम्मीद देखते थे। उनके लिए युवा पीढ़ी परिवर्तन की अग्रदूत है।

मंडलायुक्त ने कावड़ यात्रा के रूट का किया निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

14 जुलाई को श्रावण मास के पहले सोमवार पर कावड़ियों के आवागमन के मार्ग व श्रद्धालुओं के खेरेश्वर मंदिर और शिव मंदिर जाने वाले मार्गों पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के उद्देश्य से अलीगढ़ कमिश्नर संगीता सिंह ने नगर निगम और पीडब्ल्यूडी विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के साथ कावड़ यात्रा के रूट का निरीक्षण।

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त को कावड़ यात्रा के रोड पर कई जगह गड्ढे जल भराव अतिक्रमण दिखाई दिया मौके पर मंडलायुक्त ने नगर निगम और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को अगले 48 घंटे में कावड़ यात्रा के रूट पर पैच वर्क करने के साथ-साथ जहां-जहां जल भराव की स्थिति है वहां अतिरिक्त पंपसेट लगाकर जल निकासी करने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने खेरेश्वर धाम पर पहुंच कर साफ सफाई और लाइट व्यवस्था का भी निरीक्षण किया।

मौके पर नगर निगम की ओर से अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव ने बताया नगर निगम द्वारा कावड़ियों के आवागमन के मार्ग को पाँच सेक्टर में नगर निगम द्वारा बनाया गया है।अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव ने कावड़ियों के रूट पर नगर निगम संबंधी व्यवस्थाओं को समय से कराने का आश्वासन दिया। अपर नगर आयुक्त ने खैर रोड पर सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत निर्माणधीन कार्य को देखते हुए कमिश्नर मैडम से देहली गेट की ओर से खैर बाईपास होते हुए नादा पुल से खेरेश्वर जाने वाले रूट पर कांवड़ियों के आवागमन को डाइवर्ट करने का अनुरोध किया।

सुपोषण संवर्धन अभियान को नई गति मिली : आयुक्त

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

आयुक्त, अलीगढ़ मंडल अलीगढ़ श्रीमती संगीता सिंह की विशेष पहल पर कुपोषण के खिलाफ चलाए जा रहे सुपोषण संवर्धन अभियान को नई गति मिली है। डीपीओ के0के0 राय ने बताया कि आयुक्त की पहल को साकार करते हुए अतरौली, इगलास, अकराबाद एवं चंडौस परियोजनाओं में चिन्हित 472 सैम बच्चों के लिए तीन पौधे के हिसाब से कुल 1416 सहजन (मोरिंगा ओलिफेरा) के पौधे वितरित कर दिए गए हैं, इनमें से एक पौधा सैम बच्चे के घर एवं एक पौधा संबंधित आंगनबाड़ी केंद्र पर रोपित किया जा रहा है।

आयुक्त श्रीमती संगीता सिंह ने कहा कि पोषण अभियान में सहजन जैसे बहुउपयोगी पौधे को शामिल करना बच्चों के शारीरिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा और यह परिवारों को आत्मनिर्भर एवं जागरूक बनाएगा। सहजन पौधे का उपयोग हरी सब्जी, सूप और अन्य व्यंजनों में करने से बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों को प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन ए सहित अनेक आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं, जो कुपोषण दूर करने में बेहद सहायक है।

डीपीओ के0के0 राय ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां इन पौधों को गंभीर कुपोषित (सैम) बच्चों के परिवारों को सौंपेंगी, स्वयं उनके घरों पर पौधारोपण करेंगी और सहजन के पौष्टिक महत्व के बारे में विस्तार से जागरूकता भी फैलाएंगी। सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार ने प्रभारीय निदेशक सामाजिक वानिकी से बात की तो उन्होंने बताया कि वन विभाग के पास 231536 सहजन के पौधे उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया है कि 154498 पौधों का उठान हो गया है।

छात्रा ने लगाई फांसी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना बन्नादेवी क्षेत्र में एक छात्रा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

फंदे से शव लटका देख परिजनों के होश उड़ गए। शोर शराबा सुनकर पड़ोसी एकत्र हो गए।

घटना की सूचना पर इलाका पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए पोस्टमार्टम गृह के लिए भेज दिया।

थाना बन्नादेवी क्षेत्र के आईटीआई रोड़, हरि विलास नगर में गुरुजी का परिवार रहता है। घर मे पत्नी, बेटा और 16 वर्षीय बेटी कामिनी है। पिता ने बताया कि बेटी कामिनी कक्षा 9 में पढ़ती थी। इसी दौरान उसने घर मे ही पंखे में फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय पत्नी घर मे कपड़े साफ कर रही थी। जबकि उनका बेटा सो रहा था। इसी बीच बेटी ने ये कदम उठा लिया। फंदे से उसका शव लटका देख परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। परिजनों की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग भारी संख्या में एकत्र हो गए। क्षेत्र में खलबली मच गई। लोगों ने इसकी सूचना कंट्रोल रूम को दी। हादसे की खबर पर इलाका पुलिस मौके पर आ गई।

पिता ने बताया कि बेटी ने ये कदम क्यों उठाया उनको नहीं पता। वो उसको कोई बीमारी या परेशानी भी नहीं थी। डिप्रेशन में भी नहीं थी। उसकी मौत से परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने शुक्रवार की दोपहर अंत्य परीक्षण के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अन्य पहलुओं पर जांच पड़ताल कर रही है।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, गर्दन पर फंदे के निशान

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एक महिला की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मायका पक्ष ने पति व अन्य ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि बेटी के गले पर फंदे का निशान है। उसकी हत्या की है। पुलिस ने शुक्रवार को शव कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए पोस्टमार्टम गृह के भेज दिया। मायका पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दे दी है।

जनपद बुलंदशहर के थाना सलेमपुर के गांव रंगपुर के रहने वाले मनोज गिरी ने 22 वर्षीय बेटी राखी की शादी मोहित पुत्र बलदेव गिरी के साथ 6 फरवरी 2024 को की थी। उन्होंने बताया कि मोहित अधिवक्ता है और अलीगढ़ कचहरी में प्रैक्टिस करता है। शुक्रवार की सुबह उनके पास मोहित का फोन आया। उसने राखी की तबियत खराब होने की जानकारी दी। कुछ देर बाद बताया कि राखी की मौत हो गई है। राखी की मौत की खबर सुनकर मायका वालो के होश उड़ गए। वे अलीगढ़ बेटी की ससुराल आ गए।

ताऊ और भाई ने बताया कि जब वे यहां आए तो पुलिस पहले से मौजूद थी। लोगों से पता चला कि मोहित व अन्य लोग राखी को गुरुवार रात्रि किसी अस्पताल में दिखाने ले गए थे। जहां डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। राखी की गर्दन पर उन्होंने फंदे के निशान देखे हैं। उनका आरोप है कि उसकी हत्या की है।

पिता का आरोप है ससुरालीजन पाँच लाख रुपये, गाड़ी की डिमांड राखी से करते थे। डिमांड पूरी न होने पर उसका उत्पीड़न करते थे। इतना ही नही उन्होंने दामाद मोहित के किसी लड़की से सम्बंध होने का भी आरोप लगाया है। पिछले दिनों मनोज, पत्नी व बेटी के साथ ससुराल घूमने गया था। वहां दो दिन रुके भी थे।

उसके बाद वापस अलीगढ़ आ गए। पिता मनोज गिरी ने बताया कि राखी पर करीब ढाई माह की बेटी जीवा है। जोकि उसके ससुरालीजन के पास है। उन्होंने पति व अन्य ससुरालीजनों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर सख्त से सख्त कार्रवाई की मॉग की है।

मामला बढ़ भी सकता है.. मराठी भाषा विवाद के बीच आदित्य ठाकरे की चेतावनी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में मराठी भाषा पर बढ़ते विवाद के बीच शिवसेना उद्धव गुट के नेता आदित्य ठाकरे का नया बयान सामने आया है। उन्होंने महाराष्ट्र और मराठी भाषा का अपमान करने वाले या उसका अनादर करने वाले लोगों को कड़ी चेतावनी दी है। ठाकरे ने कहा कि मराठी भाषा या हमारे राज्य का किसी भी तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हालांकि ठाकरे ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को पूरी तरह से खारिज किया, जिसमें कहा जा रहा था कि एक शिवसेना नेता के कार्यालय में मराठी न बोलने की वजह से दुकानदारों को पीटा गया। गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारी मातृभाषा मराठी का अपमान न हो और न ही कोई भाषा हम पर जबरन थोपी जाए.. हम नहीं चाहते कि कोई भी कानून को अपने हाथ में ले.. लेकिन जब हमारी मातृभाषा का अपमान होता है या महाराष्ट्र का अपमान होता है तो मामला बढ़ भी सकता है।

मीडिया में चल रही शिवसेना नेता से जुड़ी खबरों पर भी उन्होंने बात की। उन्होंने बताया कि शिवसेना नेता से इस बारे में बात की गई थी। इस पर नेता राजन विचारे ने इस बात की पुष्टि की कि इस घटना का सामुदायिक संघर्ष या भाषा संघर्ष का कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा, एक अधिकारी अपना फोन चार्ज करने के लिए दुकान में गया था.. वहां उसे ऐसा करने की अनुमति नहीं दी गई। इस वजह से विवाद हुआ और मारपीट तक मामला पहुंच गया।

भाजपा को मिल सकती है पहली महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में संगठनात्मक बदलाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन को लेकर चल रही खींचतान के बीच सूत्रों के हवाले से खबर है कि भाजपा पहली बार किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि भाजपा ने हाल के वर्षों में महिला मतदाताओं को लुभाने में सफलता पाई है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों में यह सफलता मिली है। आपको बता दें कि जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो चुका था, लेकिन पार्टी ने उन्हें जून 2024 तक का विस्तार दिया था। अब नए अध्यक्ष की घोषणा अगले कुछ दिनों में हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक तीन प्रमुख महिला नेताओं के नाम चर्चा में हैं। वर्तमान वित्त मंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण पार्टी संगठन में गहरी पैठ और केंद्र सरकार में लंबे अनुभव के चलते सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं।

डी. पुरंदेश्वरी– आंध्र प्रदेश भाजपा की पूर्व अध्यक्ष डी पुरंदेश्वरी काफी अनुभवी और बहुभाषी नेता हैं। कई राजनीतिक दलों के साथ काम करने का अनुभव और पार्टी में व्यापक स्वीकार्यता है। उन्हें ऑपरेशन सिंदूर जैसे अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक अभियान का हिस्सा भी बनाया गया था।

वनाथी श्रीनिवासन तमिलनाडु की कोयंबटूर दक्षिण सीट से विधायक और भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी वनाथी श्रीनिवासन 1993 से भाजपा से जुड़ीं और संगठन में कई पदों पर रह चुकी हैं। 2022 में केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य बनीं और ऐसा करने वाली पहली तमिल महिला नेता।

संघ का समर्थन– सूत्र बताते हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस विचार को समर्थन दिया है कि भाजपा को अब एक महिला को शीर्ष नेतृत्व में लाना चाहिए। यह कदम 33प्रतिशत महिला आरक्षण विधेयक की भावना के अनुरूप भी होगा, जिसका प्रभाव अगले परिसीमन के बाद लोकसभा में दिखेगा।

गुरुग्राम में 500 एकड़ में बनेगा डिज्नीलैंड थीम पार्क

हरियाणा सरकार ने फाइनल की जमीन

गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम के पचगांव चौक के पास 500 एकड़ भूमि पर एक भव्य डिज्नीलैंड थीम पार्क स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। यह परियोजना न केवल राज्य के पर्यटन परिदृश्य को बदलेगी बल्कि इसके साथ विकसित होने वाली ग्लोबल सिटी और रेल ऑर्बिटल कॉरिडोर के माध्यम से क्षेत्र की आर्थिक स्थिति मजबूती होगी। हरियाणा सरकार ने इस प्रतिष्ठित परियोजना के लिए पचगांव चौक के पास उपयुक्त स्थान का चयन कर लिया है। यह क्षेत्र अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण परियोजना के लिए आदर्श है, क्योंकि यह दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। डिज्नीलैंड जैसे वैश्विक स्तर के आकर्षण की स्थापना से हरियाणा भारत के पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरेगा।

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यटन मंत्री से की चर्चा : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस परियोजनाओं के संबंध में बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सांस्कृतिक और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान हरियाणा में पर्यटन को बढ़ावा देने और राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने और वैश्विक मानचित्र पर एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिज्नीलैंड हरियाणा, खासकर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के लिए एक बड़ा बदलाव लाने वाला अवसर साबित होगा। इस डिज्नीलैंड से प्रदेश के साथ-साथ देश को आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक लाभ मिलेंगे। इस परियोजना का उद्देश्य बाजार और कनेक्टिविटी का लाभ उठाकर एक विश्व स्तरीय मनोरंजन केंद्र बनाना है। इस परियोजना से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे, बुनियादी ढांचे का विकास होगा और आसपास के क्षेत्रों में भी विकास की दृष्टि से बड़ा बदलाव आएगा।

यूपी में डॉक्टर-वकील-सीए घर में बना सकेंगे ऑफिस, नर्सरी-क्रैच-होम स्टे वालों को भी मिलेगी छूट; शर्तें लागू

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में डॉक्टर, वकील और चार्टर्ड अकाउंटेंट जैसे सेवा प्रोफेशनल्स द्वारा अपने कार्यालय के उपयोग के लिए और नर्सरी, क्रैच, होम स्टे वाले इनके संचालन हेतु अपने घर का 25 प्रतिशत तक एफ.ए.आर. का उपयोग किया जा सकता है। बशर्ते कि पर्याप्त पार्किंग आवश्यकताओं का प्राविधान किया गया हो, इसके लिए पृथक से मानचित्र अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए।

अधिकांश श्रेणियों के लिए फ्लोर एरिया रेशियो को चौड़ी सड़कों पर बढ़ा दिया गया है। 45 मीटर से अधिक चौड़ी सड़कों पर एफ.ए.आर. की अधिकतम सीमा नहीं रखी गई है। चिकित्सालय और शापिंग माल न्यूनतम 3000 वर्ग मीटर में अब चिकित्सालय एवं शॉपिंग मॉल न्यूनतम 3000 वर्ग मीटर के भूखण्ड पर बन सकेंगे। शैक्षिक भवनों द्वारा खेल के मैदान, खुले क्षेत्र आदि की आवश्यकताओं को बनाए रखते हुए संबद्ध संस्थानों की आवश्यकताओं का पालन किया जाना होगा। बहुमूल्य नगरीय भूमि के इष्टतम उपयोग को बढ़ावा देने के लिए ग्रुप हाउसिंग हेतु भूखंड क्षेत्रफल 2000 वर्ग मीटर से घटा कर बिल्टअप (निर्मित) क्षेत्र में 1000 वर्ग मीटर तथा नॉन- बिल्टअप (अनिर्मित) क्षेत्र में 1500 वर्ग मीटर किये जाने तथा बहु-इकाइ?यों के लिए भूखंड क्षेत्र की आवश्यकताओं को घटाकर 150 वर्ग मीटर किये जाने का प्रस्ताव मंजूर किया गया है। यूपी सरकार ने 45 मीटर चौड़ी सड़क पर स्थित भूखंडों पर निर्माण पर एफएआर की सीमा को समाप्त कर दिया गया है।

अन्य पिछडे वर्ग के पात्र व्यक्ति शादी अनुदान योजनान्तर्गत करें आवेदन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रोहित कुमार ने अवगत कराया है कि शासन द्वारा अन्य पिछडे वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी के लिए, अनुदान योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन के संबंध में नवीन दिशा निर्देश दिये गये हैं। योजना के तहत प्रति लाभार्थी 20 हजार रुपये लाभार्थी बैंक खाते में विभाग द्वारा पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से प्रेषित की जाती है।

उन्होंने नवीन दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया कि आवेदक के पास ऑनलाइन आवेदन भरने से पूर्व अपना आधार कार्ड एवं आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नम्बर, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, बैंक खाते की पासबुक (जिसमें पूर्ण विवरण हों), शादी का कार्ड होना आवश्यक है। आवेदक की आय शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में एक लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये। उन्होंने बताया कि योजना में विधवा एवं दिव्यांग आवेदकों की वरीयता प्रदान की जायेगी। आवेदन केवल शादी के दिनांक से 90 दिन पहले अथवा 90 दिन बाद तक ही स्वीकार्य है किन्तु उक्त अवधि की गणना वित्तीय वर्ष अर्थात 01 अप्रैल से 31 मार्च के मध्य होनी चाहिये।

उन्होंने बताया कि अन्य पिछड़े वर्ग के जातियों की सूची में सम्मिलित अल्पसंख्यक वर्ग से सम्बन्धित जातियों एवं वर्ग के आवेदक पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से अनुदान के लिए पात्र नहीं हैं। विवाह के लिए किये गये आवेदन में पुत्री की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष या उससे अधिक एवं वर की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक होनी अनिवार्य है।

एक परिवार से अधिकतम 02 पुत्रियों की शादी के लिए अनुदान अनुमन्य है। वित्तीय वर्ष समाप्ति के उपरान्त विगत वित्तीय वर्ष की कोई भी मांग अगले वित्तीय वर्ष में अग्रेणीत नहीं की जाएगी। शादी अनुदान योजना से सम्बन्धित विस्तृत दिशा-निर्देश वेबसाइट Shadianudan.upsdc.gov.in पर प्रदर्शित है। अन्य किसी जानकारी के लिए विकास भवन स्थित जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

एएमयू के सतत एवं प्रौढ़ शिक्षा केंद्र में "माँ और शिशु देखभाल" पर व्याख्यान आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सतत एवं प्रौढ़ शिक्षा एवं विस्तार केंद्र (सीसीएईई) द्वारा "माँ और शिशु देखभाल" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसे जेएन मेडिकल कॉलेज, एएमयू के बाल रोग विभाग के प्रो. एस. मनाज़िर अली ने संबोधित किया।

प्रो. अली ने भारत में मातृ और शिशु स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। उन्होंने बताया कि देश में प्रति वर्ष लगभग 2.7 करोड़ महिलाएं गर्भवती होती हैं, जिनमें से 2.6 करोड़ जीवित शिशुओं को जन्म देती हैं। उन्होंने बताया कि भारत में मातृ मृत्यु दर प्रति 1 लाख जीवित जन्मों पर 97 है, शिशु मृत्यु दर प्रति 1 हजार जीवित जन्मों पर 27.69 है, नवजात मृत्यु दर 24.9 और पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर 41.9 है।

प्रो. अली ने इस बात पर जोर दिया कि प्रसव के दौरान महिलाओं को केवल अस्पताल के बिस्तर पर स्थिर रहना ही एकमात्र विकल्प नहीं है; चलने-फिरने की स्वतंत्रता से जन्म अनुभव अधिक सकारात्मक हो सकता है। उन्होंने नवजात पीलिया (नीओनेटल जॉन्डिस) के बढ़ते मामलों और प्रसव के बाद अस्पताल में कम समय रुकने की प्रवृत्ति पर भी चर्चा की। इस संदर्भ में उन्होंने बताया कि नवाचारपूर्ण निदान और प्रबंधन पद्धतियाँ अपनाने की आवश्यकता है ताकि पुनः भर्ती से बचा जा सके। केंद्र के निदेशक डॉ. शमीम अख्तर ने अतिथि वक्ता का स्वागत किया और कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन दिया।

मारपीट करने वाले पांच युवक गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के गांव भनेड़ा में मामूली बात पर दो पक्षों में मारपीट हो गई। पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गांव भनेड़ा निवासी अंकित और रॉकी के बीच गुरुवार को विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर मारपीट हुई। इस संघर्ष में अंकित और रॉकी का सिर फट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अंकित, पुष्पेंद्र, रॉकी, रेणू कुमार और लीलू निवासी भनेड़ा को गिरफ्तार कर लिया।

युवक पर धारदार हथियार से हमला

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मुरादनगर में दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कर्मियों ने युवक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर हालत में युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बह्मनान कॉलोनी निवासी संजय वर्मा ने बताया कि 30 जून को पत्नी को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गए थे। आरोप है कि इंजेक्शन लगाते ही पत्नी की तबीयत बिगड़ गई। इसको लेकर संजय की अस्पताल के स्टॉफ से बहस हो गई। आरोप है कि अस्पताल के दो कर्मियों ने धारदार हथियार से संजय के सिर पर वार किए।

कहासुनी के बाद महिला के साथ की मारपीट, तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र की आनंद गार्डन कालोनी में बुधवार को तीन महिलाओं ने पड़ोस में रहने वाली एक महिला के साथ मारपीट की। आरोप है कि मारपीट में पीड़िता का मंगलसूत्र टूट कर खो गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की हैं। आनंद गार्डन कालोनी में राखी रहती है। उनके पति अमित प्राइवेट नौकरी करते है। उन्होंने बताया कि बुधवार को पड़ोस में रहने वाली विभा से कहासुनी हो गई थी। जिसपर विभा ने सास फुलदेवी, नन्द मनीषा के साथ मिलकर उनसे गाली गलौज कर मारपीट की। इस दौरान उनका मंगलसूत्र टूटकर कहीं गिर गया। आस पड़ोस के लोगों ने बीच बचाव कर विवाद को शांत कराया। पति के आने के बाद उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पालिका में किया गया पौधारोपण अभियान का शुरू

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। नगर पालिका प्रशासन ने नगर में पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए 2951 पौधे रोपने का लक्ष्य रखा है। नगर पालिका परिसर से इस अभियान का शुभारंभ हुआ। नगर पालिका प्रशासन ने 2951 पौधे रोपने के लिए बनाई गई कार्य योजना के तहत शुक्रवार को नगर पालिका परिसर से इस अभियान का शुभारंभ किया।अधिशासी अधिकारी ओम गिरी ने बताया कि इस अभियान के तहत जामुन अनार अमरुद नींबू आम आदि वैरायटी के पौधे रोपे जाएंगे।जिसमें नगर के एचएमआई इंटर कॉलेज श्याम नारायण सिंह स्मारक इंटर कॉलेज मुस्लिम कन्या इंटर कॉलेज जैन विद्या मंदिर इंटर कॉलेज और झील पार्क के अलावा दोनों ईदगाह परिसर आदि स्थानों पर पौधे रोपे जाएंगे। इस मौके पर रमेश कुमार हर्ष जैन, कपिल कुमार, सलीम अहमद, अकरम अहमद, शाहवेज, आमिर आदि ने पौधे रौपे।

कावड़ यात्रा के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग ने सेवाएं देने की बनाई कार्य योजना

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। सावन माह में क्षेत्र से निकलने वाली कावड़ यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए कार्य योजना तैयार की है।जिसके तहत मार्गो के दोनों और चार एंबुलेंस की व्यवस्था के साथ कर्मचारियों को तैनात किया गया है। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आशीष आर्य ने बताया कि नहटौर क्षेत्र से निकलने वाली कावड़ यात्रा को स्वास्थ्य सेवा देने के लिए नहटौर पैजानिया नूरपुर कोतवाली देहात मार्ग पर फुलसंदा आश्रम पर दो चिकित्सक एएनएम फार्मासिस्ट आशा संगिनी सहित 10 कर्मचारियों की टीम 24 घंटे रहेगी। इसके अलावा चार एंबुलेंस भी चार अलग-अलग स्थान पर खड़ी रहेगी।उन्होंने बताया कि फुलसंदा आश्रम में मनाए जाने वाले गुरु पूर्णिमा के पर्व को दृष्टिगत रखते हुए तीन दिन तक चलने वाले कार्यक्रमों के तहत स्वास्थ्य विभाग के 10 कर्मचारियों की टीम मौजूद रहेगी।

झपकी आने से ट्रक मालन नदी में गिरा

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷। नजीबाबाद में शुक्रवार सुबह 5 बजे एक बड़ा हादसा हुआ। मालन नदी के पुल पर खाली क्रेट से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरा। हादसे में ट्रक चालक समेत तीन लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक को नींद की झपकी आने से ट्रक सड़क से उतरकर नदी में गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। राहगीरों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। ट्रक मंडी समिति के आढ़ती मोईन अंसारी का है। यह ट्रक उत्तराखंड में सब्जी और फल की सप्लाई करके वापस लौट रहा था।

रिटायर्ड इंजीनियर ने कॉलोनी में कुत्ते को मेरी 5 गोली, कार्रवाई की मांग, हंगामा

✷ **एनसीआर टुडे. नजीबाबाद** ✷। कोतवाली मार्ग स्थित सावित्री एंक्लेव कॉलोनी में पीडब्ल्यूडी के सेवानिवृत इंजीनियर ने कुत्ते को गोली मार दी जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने इंजीनियर के रिवाल्वर का लाइसेंस निरश्त करने की मांग करते हुए हंगामा किया आमजन का कहना है कि आरोपी के विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाही होनी चाहिए पता चला है कि इस दौरान इंजीनियर ने लगभग 5 राउंड गोली चलाई जिससे मोहल्ले में दहशत फैल गई और लोग कार्यवाही की मांग को लेकर सड़क पर आ गए।

ITI में आठ जुलाई तक प्रवेश ले सकेंगे

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। जिले में संचालित निजी और सरकारी आईटीआई संस्थानों में आठ जुलाई तक विद्यार्थी दाखिला ले सकते हैं। इसके लिए बुधवार को परिणाम जारी कर दिया गया। मुरादनगर स्थित आईटीआई कॉलेज के प्रधानाचार्य केडी मिश्र ने बताया कि छात्र संस्थानों में दश्तावेज जमा कर प्रवेश ले सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों की सूची संस्थान के नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा कर दी गई है। अभ्यर्थी सभी मूल प्रमाणपत्र के साथ संस्थान में आना होगा।

दूध डेयरी के टेंपो से बैटरी व दूध की कैरट चुराने वाले दो गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की पाइप लाइन रोड स्थित दूध डेयरी के टेंपो की बैटरी व दूध के कैरट चुराने वाले दो चोरों को पुलिस ने शुक्रवार को सेवा धाम मंडोली रोड से गिरफ्तार किया है।

इनके कब्जे से दो बैटरी व 450 रुपये की नकदी व घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई है। पाइप लाइन रोड पर राजीव भाटी की अमूल दूध की डेयरी है।

उन्होंने बताया कि पहले 6 जून और 20 जून की रात को चोरों ने दूध डेयरी के सामने खड़े टेंपो से बैटरी चुरा ली थी। उसके बाद चोरों ने 30 जून को डेयरी के सामने से दूध की दस कैरट व 1 जुलाई को दूध की 14 कैरट चुरा ली थी। चोरों ने महज दो सप्ताह के अंदर डेयरी पर तीन बार चोरी की घटना को अंजाम दिया था। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। उन्होंने पुलिस से चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

सीओ अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की सहायता से चोरों की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने शुक्रवार को बाइक पर बैटरी ले जा रहे दो युवकों को रोका तो वह घबरा गये।

इन्होंने अपने नाम राहुल व नीतीश कुमार निवासी मीत नगर दिल्ली बताए। पूछताछ में इन्होंने बैटरी को डेयरी के सामने खड़े टेंपो से चुराना स्वीकार किया। दोनों ने बताया कि उन्होंने अलग अलग दिन दो बार में डेयरी के सामने रखी दूध की 24 कैरट चुराकर नंद नगरी में राह चलते व्यक्ति को बेच दी थी।

युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की अमर विहार कालोनी में गुरुवार रात युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई।

मृतक के गले पर निशान देखकर श्मशान घाट के कर्मचारियों ने अंतिम संस्कार करने से इंकार करते हुए शव को वापस भेज दिया। जिसपर परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अमर विहार कालोनी में रोहित रहते है। उन्होंने बताया कि छोटा भाई 23 वर्षीय रॉकी ट्रैक्टर चालक था। गृहक्लेश के चलते उसकी पत्नी पूजा कुछ समय पहले दोनों बेटियों के साथ मायके चली गई थी।

रॉकी ने गुरुवार रात कमरे में लगे पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी। शुक्रवार सुबह भाई को पंखे से लटकता देख परिजनों ने शव को फंदे से उतारा। परिजन पुलिस को सूचना दिए बगैर ही शव को अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट लेकर जाने लगे।

लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस को परिजनों ने बीमारी से मौत होने की बात कहते हुए लौटा दिया। उधर मृतक के गले में निशान देखकर श्मशान घाट कर्मचारियों ने अंतिम संस्कार करने से मना करते हुए वापस भेज दिया। जिसके बाद परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि प्रारंभ में मृतक के परिजनों ने पुलिस को बीमारी से मौत होने की जानकारी दी थी।

बाद में परिजन ने ही पुलिस को मृतक द्वारा फंदा लगाने और शव को फंदे से उतारने की बात बताई है।

दो बदमाश गिरफ्तार, दस मोबाइल बरामद

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने गुरुवार शाम चेकिंग के दौरान दो मोबाइल चोरों को खानपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से अलग अलग स्थानों से चुराए गए दस मोबाइल बरामद हुए है।

चोरों ने 28 जून को कासिम विहार कालोनी स्थित मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान से पांच मोबाइल चुराए थे। ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस गुरुवार शाम को खानपुर मोड के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक बाइक पर आ रहे दो युवकों को रोका तो उन्होंने भागने का प्रयास किया।

पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर इनके कब्जे से दस मोबाइल बरामद हुए। पुलिस को पूछताछ में इन्होंने अपने नाम दीपक व अरशद निवासी उत्तम नगर दिल्ली बताए।

आरोपियों ने बताया कि 28 जून को कासिम विहार कालोनी स्थित आजाद की मोबाइल रिपेयर की दुकान के सामने पहुंचने पर देखा कि दुकान में मौजूद युवक मनीष काउंटर पर सिर रखकर सो रहा था।

जिसपर दीपक ने दुकान में घुसकर पांच मोबाइल चुरा लिए। उसका साथी अरशद दुकान के पास बाइक को स्टार्ट करके खड़ा था। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों बाइक पर दिल्ली भाग गये थे।

भागते समय उनकी जेब से एक मोबाइल राश्ते में कहीं गिर गया था। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि आरोपियों ने पांच मोबाइल कासिम विहार और छह अन्य मोबाइल दिल्ली के अलग अलग स्थानों से चुराना स्वीकार किया है।

सीजीएसटी के अधीक्षक रविन्द्र वर्मा 39 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

गाजियाबाद के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क में अधीक्षक के पद पर कार्यरत रविन्द्र वर्मा 39 वर्षों की सरकारी सेवा के उपरांत सेवानिवृत्त हो गए। कमला नेहरूनगर स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में उनके सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित हुआ, जिसमें विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अनेक सहकर्मी उपस्थित रहे। लखनऊ निवासी रविंद्र वर्मा का पारिवारिक मूल अयोध्या से जुड़ा है। वर्तमान में वे सेवानिवृत्ति के समय केंद्रीय जीएसटी, ग़ाज़ियाबाद में अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक समर्पित एवं कर्मठ अधिकारी के रूप में की थी और अपनी सेवा अवधि में उन्होंने विभाग की रेंज, प्रिवेंटिव, एंटी-एवेज़न, कस्टम्स, अपील, ऑडिट, विवाचन, खुफिया और मुख्यालय जैसी विभिन्न शाखाओं में कार्य करते हुए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने गाजियाबाद समेत लखनऊ, वाराणसी, मेरठ, सिकंदराबाद, नोएडा, मुरादाबाद, डाडरी, हापुड़ आदि स्थानों पर अपनी सेवाएँ दीं।

राजस्व विभाग की मिली भगत से कृषि भूमि में काटी जा रही अवैध कॉलोनी

कॉलोनाइजर में बेखौफ होकर कटवा डाले सड़क किनारे के पेड़

✷ **एनसीआर टुडे. हल्दौर** ✷

प्रशासन की आंखों में धूल झोंक कर एक कॉलोनाइजर द्वारा निचले श्तर के राजस्व कर्मचारियों के साथ मिलकर बिना मानक के अवैध रूप से हाईवे के किनारे कृषि योग्य भूमि में अवैध कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा है।

कॉलोनाइजर को मानकों का ज्ञान होने के बावजूद धारा 80 के अलावा तमाम नियमों को ताक पर रख दिया गया है। इतना ही नहीं कालोनाईजर द्वारा निर्माणाधीन कॉलोनी के सामने हाईवे के किनारे खड़े पेड़ काटकर उनकी जड़ों को खुदाई कर कर रातों-रात निकलवा दिया गया।

जानकारी के मुताबिक अभी तक कॉलोनी के लिए खरीदी गई जमीन का दाखिल खारिज भी नहीं हुआ था और कालोनाइजर ने लोक निर्माण विभाग की स्वीकृति लिए बिना हाईवे से सीधे सेलपुरा, बमनोला, अथाई जमरूद्दीन लिंक मार्ग तक करीब 20 फीट चौड़े कच्चे राश्ते का भी निर्माण करा दिया।

इस संबंध में उपजिलाधिकारी चांदपुर ने संबंधित लेखपाल अमित यादव को मौके पर भेज कर निरीक्षण कराया। लेखपाल के मुताबिक निर्माणाधीन कॉलोनी में अनियमितताओं का बोलबाला है। जिसकी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को शीघ्र ही प्रेषित कर दी जाएगी।

क्या कहते हैं जिम्मेदार अफसर:- उप जिलाधिकारी चांदपुर नितिन तेवतिया ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है। जिसकी जांच करा कर आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

वहीं वन क्षेत्राधिकारी चांदपुर दुष्यंत कुमार ने बताया कि वन विभाग की स्वीकृति के बिना यदि रोड साइड लैंड के पेड़ काटे गए हैं, तो उसकी आवश्यक जांच कर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम पंचायत में चौपाल आयोजित कर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

शासन के दिशा निर्देश के अनुसार विकासखंड आंकू की ग्राम पंचायत ताहरपुर सैद उर्फ तरकौला व आंकू में शुक्रवार को ग्राम चौपाल आयोजित की गई। जिसमें शासन की योजनाओं के बारे में विश्तार से जानकारी दी गई और ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गई।

शुक्रवार को ग्राम पंचायत आंकू में ग्राम चौपाल में संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी और ग्रामीणो की समस्या सुनी।जिसमे ग्रामीणो ने पेंशन,किसान सम्मान निधि, सफाई व्यवस्था आदि समस्याओ से अवगत कराया।

जिसमे एडीओ कृषि अनमोल तोमर ने ग्रामीणो को सफाई अभियान के तहत संबंधित विभाग के कर्मचारी को अवगत कराते हुए व्यवस्था दुरुश्त करने के निर्देश दिए।

किसान का शव ससुराल में पेड़ पर लटका मिला, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

मण्डावर थाना क्षेत्र के गांव औरंगाबाद शकूरपुर में रहने वाले किसान गोपाल का शव किरतपुर थाना क्षेत्र के रायपुर गांव में पेड़ से लटका मिला। मृतक के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है।

मृतक के भाई नरेन्द्र ने किरतपुर चौकी मौजमपुर में शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि गोपाल और उनकी पत्नी किरन देवी के बीच विवाद चल रहा था। गुरुवार को किरन ने गोपाल के साथ मारपीट की थी। इसके बाद गोपाल अपने ससुर को यह बात बताने रायपुर गए थे।

नरेन्द्र ने आरोप लगाया है कि ससुर ओमकार सिंह और उनके बेटे रवि कुमार व छोटू ने मिलकर गोपाल की हत्या कर दी। उन्होंने परिवार को इसकी सूचना तक नहीं दी।

किरतपुर पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। गोपाल की शादी 25 साल पहले हुई थी। उनके 6 बच्चे हैं, जिनमें से 2 बेटियों की शादी हो चुकी है। वह खेती का काम करते थे।

एसडीएम की अध्यक्षता में गांव की समस्या, गांव में समाधान जन चौपाल आयोजित

✷ **एनसीआर टुडे. अफजलगढ़** ✷

ग्राम पंचायत इस्लामनगर में शुक्रवार को उपजिलाधिकारी रितू रानी की अध्यक्षता में "गांव की समस्या, गांव में समाधान"जन चौपाल का आयोजन किया गया।

जन चौपाल में उपजिलाधिकारी ने ग्रामीणों की समस्याओ को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए।

चौपाल में उपजिलाधिकारी ने सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं विश्तृत जानकारी दी स्वच्छ भारत मिशन, वृद्धा पेंशन योजना, जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र, कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत की जांच की और वंचित पात्रों को योजनाओं का लाभ देने के स्पष्ट निर्देश दिए।

यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी पात्र होने के बावजूद लाभ नहीं दे रहा है। उस संबंध में मुझे अवगत करायें। संबंधित के खिलाफ बेहद कठोर कदम उठाया जाएगा।

इस मौके पर एमडीएम ने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए गांव में खराब कच्चे राश्ते को ठीक कराने, स्वच्छ भारत मिशन के तहत बन रहे शौचालय,पात्र लाभार्थियों की पेंशन बनवाने व जो अन्य कल्याणकारी योजनाओं हर ग्रामीण की समस्याओं जल्द पूरा करने की भी हिदायत दी।

विकास खंड अधिकारी सी.पी.पाडे, एबीएसए प्रेम सिंह राना, धर्मेंद्र शर्मा आपूर्ति अधिकारी धामपुर, सीडीपीओ रीता देवी,थाना अध्यक्ष सुमित राठी, ग्रामप्रधान जितेन्द्र चौधरी, प्रधानाचार्य यामीन उस्मानी विनोद काला,भूपेंद्र सिंह, गजेन्द्र सिंह, संसार सिंह, शान्ति देवी विरेन्द्र सिंह,, सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे हैं

विकासखंड सभागार में विदुर ब्रांड की कार्यशाला आयोजित

समूह द्वारा बनाए गए सामान की बिक्री में व्यापारी करें सहयोग: राकेश चौधरी

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

विकासखंड के सभागार में विदुर ब्रांड की कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें ब्लॉक प्रमुख राकेश चौधरी ने कहा विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत संचालित समूहों द्वारा बनाए जा रहे विभिन्न प्रकार के सामानों की बिक्री में व्यापारी वर्ग पूर्ण सहभागिता करें।

शुक्रवार को आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए ब्लॉक प्रमुख राकेश चौधरी ने कहा शासन का उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में रहने वाली महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है इसी क्रम में उन्होंने ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों के द्वारा ग्रामीण अंचलों में महिलाओं को विभिन्न प्रकार के सामानों का उत्पादन किया जा रहा है। जिसमें झाड़ू चप्पल अचार चटनी आदि सामानों का उत्पादन किया जा रहा है।

इनकी गुणवत्ता बेहतर है शादी इनकी बिक्री के लिए व्यापारी वर्ग अपने प्रतिष्ठानों पर इन्हें बेचकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में पूर्ण सहभागिता करें ताकि शासन का उद्देश्य पूरा हो सकें। उन्होंने बताया विदेश से आने वाले सामानों की बिक्री पर भी रोक लगेगी तथा स्वदेशी सामान की बिक्री बढ़ेगी। इस अवसर पर ग्रामीण आजीविका मिशन के एडीओ दीनदयाल ने विदुर प्लांट के बारे में विश्तार से जानकारी दी। साथ ही पैकेजिंग, ब्रांडिंग, वित्तीय, वितरण, गुणवत्ता की जानकारी दीं। इस मौके पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष कपिल शर्मा, पवन अग्रवाल, महेश, परवेज़ खान, ममता, नीतू, दीपा चौधरी,मंजू आदि समूह की महिलाओं ने भाग किया। कार्यशाला का संचालन परवेज अहमद ने किया।

कावड़तियों की सुरक्षा को शिवसेना यूबीटी ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

शिवसेना यूबीटी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा। शिवसेना ने कांवड़ियों के लिए पांच प्रमुख मांगें रखी हैं।

सावन माह में जिले की पांचों तहसीलों से लाखों श्रद्धालु कांवड़ लेकर गुजरते हैं। कांवड़ मार्गों को गड्ढा मुक्त करने और जल भराव की समस्या को दूर करने की मांग की गई है। जिले के सभी अस्पतालों में कांवड़ियों के लिए 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। गुलदार और आवारा पशुओं से बचाव की व्यवस्था करने की मांग भी शामिल है। सावन माह के दौरान जिले में सभी मीट की दुकानें बंद करने का प्रशताव दिया गया है। कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए सभी नगरों के मुख्य चौराहों और कांवड़ मार्गों पर 24 घंटे पुलिस पिकेट लगाने की मांग की गई है। थाना धामपुर के नगीना चौराहे पर यातायात व्यवस्था की समस्या है। यहां से लाखों कांवड़िए गुजरते हैं। चौराहे पर निजी बसों, टेम्पो और रिक्शों का जमावड़ा रहता है।

आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट पहुंच कर किया विरोध प्रदर्शन

राज्यपाल को संबंधित मांग पत्र प्रशासन को सौंपा

✷ **एनसीआर टुडे. चांदपुर** ✷

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों को बंद किए जाने के विरोध में तथा जनपद कौशांबी और प्रयागराज में हुई। घटनाओं की निष्पक्ष जांच CBI से कराए जाने की मांग को लेकर, आज उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल महोदय को सम्बोधित जिला मुख्यालय बिजनौर में ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन विरोध प्रदर्शन एवं धरने के माध्यम से प्रश्तुत किया गया।

इस कार्यक्रम में भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के सभी सम्मानित साथी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद ताहिर ने किया, जिन्होंने अपने विचार रखते हुए कहा कि: 'भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के बढ़ते जनाधार और चंद्रशेखर आज़ाद जी की लोकप्रियता से घबराकर सरकार और अन्य राजनीतिक दलों में खलबली मची हुई है।

हर पार्टी बौखलाई हुई है और इसी वजह से भाई चंद्रशेखर आज़ाद को बदनाम करने की साजिशें रची जा रही हैं। मगर हम साफ करना चाहते हैं कि तुम चाहे जितनी भी कोशिश कर लो, भाई चंद्रशेखर आज़ाद अपने हर एक कार्यकर्ता के साथ खड़े हैं। वे हर बेगुनाह को न्याय दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करते रहेंगे।'

संपादकीय

भाषा पर सत्ता की भाषा स्पष्ट नहीं

हाल में ही गृह मंत्री अमित शाह ने अंग्रेजी बोलने वालों के लिए शर्म वाला बयान दिया था। इसके बाद से तमाम भाषाओं से संबंधित आदर की बातें कई दिनों से लगातार करते आ रहे हैं, सभी बयान मौलिक बयान के विरोधाभासी हैं। कुछ महीने पहले सत्ता ने सभी राज्यों पर हिन्दी थोपने का प्रयास किया था, विरोध के बाद अब सभी भाषाएं देश और समाज की आत्मा बन गई और हिन्दी सभी भाषाओं की सहेली।

जब सत्ता के पास जनता को बताने लायक कोई मुद्दा नहीं होता है तब कभी भाषा का, कभी पहनावे का, कभी रंगों का और कभी धर्म का मुद्दा खड़ा कर दिया जाता है। हमारे देश में लगातार ऐसा ही हो रहा है। पर, दिक्कत यह है कि मुद्दे खड़े करने के बाद भी सत्ता के शीर्ष में बैठे राजनेता अपना एजेंडा लागू नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे राजनेता एक बार अपना एजेंडा सार्वजनिक तौर पर उजागर कर तो देते हैं और फिर तमाम विरोधों के बाद अगले कई दिनों तक अपने ही वक्तव्यों को गलत साबित करने में जुट जाते हैं। हाल में ही गृह मंत्री अमित शाह ने अंग्रेजी बोलने वालों के लिए शर्म वाला बयान दिया था। इसके बाद से तमाम भाषाओं से संबंधित आदर की बातें कई दिनों से लगातार करते आ रहे हैं, सभी बयान मौलिक बयान के विरोधाभासी हैं। कुछ महीने पहले सत्ता ने सभी राज्यों पर हिन्दी थोपने का प्रयास किया था, विरोध के बाद अब सभी भाषाएं देश और समाज की आत्मा बन गई और हिन्दी सभी भाषाओं की सहेली। भाषा पर ही नहीं बल्कि देश के हरेक सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर सरकार का ऐसा ही रवैया रहता है। शीर्ष से लेकर सभी संतरी-मंत्री पहले अपना एजेंडा स्पष्ट करते हैं और फिर विरोध होने पर अपना बयान बदलने लगते हैं।

सत्ता के शीर्ष पर बैठे नेताओं के वक्तव्य और आचरण भी कहीं से मेल नहीं खाते हैं। गृह मंत्री ने जिस दिन अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आने वाला बयान दिया था, उसके कुछ दिनों बाद ही मुस्कराते हुए "इमरजेंसी फाइल्स" नामक अंग्रेजी में प्रकाशित पुस्तक का विमोचन करते नजर आ रहे थे। हिन्दी को बढ़ावा देने, पूरे देश में लागू करने जैसे विषयों पर बात करने से पहले केंद्र सरकार को अपने कामकाज में भाषा के इस्तेमाल की विवेचना करनी चाहिए। संसद में दिए गए अधिकतर लिखित उत्तरों के साथ ही अधिकतर मंत्रालयों के वेब साइट पर मंत्रालय के गतिविधियों की पूरी जानकारी हिन्दी में उपलब्ध नहीं है। प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो के बुलेटिन मूलतः अंग्रेजी में प्रकाशित होते हैं, इनमें से अधिकतर बुलेटिन का अनुवाद हिन्दी में उपलब्ध नहीं है। नीति आयोग और सांख्यिकी मंत्रालय जनता से जुड़े मुद्दों पर तमाम रिपोर्ट केवल अंग्रेजी में प्रकाशित करता है। जहां हिन्दी में जानकारी उपलब्ध है, वहाँ भी आप हिन्दी में क्या पढ़ रहे हैं यह नहीं पता। जी20 शिखर सम्मेलन के बाद घोषणापत्र का हिन्दी अनुवाद एक बार पढ़कर देखिए, आपको कुछ भी समझ में नहीं आएगा। हिन्दी में किस कदर गलत जानकारी मिलती है, इसका उदाहरण भारत मौसम विज्ञान विभाग की रिपोर्ट, वार्षिक जलवायु सारांश 2024, से स्पष्ट होता है। मूलतः अंग्रेजी में प्रकाशित इस रिपोर्ट में 3 पृष्ठों का हिन्दी में सारांश संलग्न है। हिन्दी में सारांश के अनुसार वर्ष 2024 में प्राकृतिक आपदाओं के कारण देश में कुल 2400 लोगों की मृत्यु हुई, इसमें से 1280 मौतें आकाशीय बिजली गिरने के कारण हुईं। दूसरी तरफ रिपोर्ट के अंग्रेजी हिस्से के अनुसार वर्ष 2024 में प्राकृतिक आपदाओं में कुल 3207 मौतें हुईं, जिसमें से 1374 मौतें आकाशीय बिजली गिरने के कारण हुईं।

जाहिर है, एक ही रिपोर्ट के हिन्दी और मौलिक अंग्रेजी हिस्से के आंकड़ों में भारी अंतर हो सकता है – अंग्रेजी में ज्यादा लोग मरते है और हिन्दी में कुछ मृतक वापस जिंदा हो जाते हैं। भाषा के संदर्भ में केंद्र सरकार का रवैया हमेशा से अस्पष्ट रहा है। वर्ष 2004-2005 से क्लैसिकल, यानि पारंपरिक भाषाओं की चर्चा की जा रही है, और अब तक महज 11 भाषाएं इस सूची में शामिल हैं। इन भाषाओं को आगे बढ़ाने के लिए सरकार अनुदान देती है, पर इसका बड़ा हिस्सा संस्कृत को मिलता है, जिसे बोलने वालों की संख्या नगण्य है। सरकारी तौर पर घोषित पारंपरिक भाषाओं में संस्कृत के अतिरिक्त तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, मराठी, पालि, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषाएं शामिल हैं। आरटीआई के तहत पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में केंद्र सरकार ने बताया है कि वर्ष 2014-2015 से 2024-2025 के बीच संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए कुल 2532.59 करोड़ रुपये, यानि प्रति वर्ष औसतन 230.24 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया। यह राशि इसी दौरान तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और ओडिया भाषाओं को संयुक्त तौर पर दी जाने वाली आर्थिक सहायता से भी 17 गुना अधिक है। विडंबना यह है कि संस्कृत बोलने वाले देश में नगण्य हैं जबकि तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और ओडिया को संयुक्त तौर पर देश की 22 प्रतिशत आबादी बोलती है।

एक अध्ययन के अनुसार अहंकारी और मनोरोगी नेता एक रणनीति, बेईमानी, जोड़-तोड़, विपक्ष का चरित्र हनन, कुचक्र और सामाजिक ताना-बाना को रौंदते हुए सत्ता तक पहुंचते हैं। यही कपटी नेताओं का चारित्रिक गुण है, राजनैतिक विशेषता है और ऐसे नेताओं का अपना अजेंडा होता है जिसे वे सत्ता में आकर पूरा करते हैं। ऐसे नेताओं के समर्थक अधिक संख्या में, उग्र और हिंसक होते हैं और ऐसे नेता जैसे ही सत्ता में पहुंचते हैं अपनी हिंसक भाषा और व्यवहार से जनता के बीच पहले से अधिक हिंसा बढ़ाते हैं। आप सामाजिक ध्रुवीकरण भी। यही इन नेताओं का तुष्टीकरण है और अजेंडा भी। समर्थक अपने नेताओं को सही मानते हैं और उन्हीं का शिद्दत के साथ अनुसरण करते हैं।

ऐसे समर्थक विपक्षी और लिबरल नेताओं तथ्य से परिपूर्ण बातों पर नहीं बल्कि अपने नेताओं के अनर्गल प्रलाप पर भरोसा करते हैं। हमारे अपने राजनेता ही हमें अधिक उग्र, असहिष्णु और हिंसक बना रहे हैं और हम आँखें बंद कर उनका समर्थन कर रहे हैं। एक अजीब तथ्य यह भी है कि राजनैतिक और आर्थिक अस्थिरता के दौर में समाज चरम कट्टरपंथी और भाषाई बाहुबली नेताओं पर अधिक भरोसा करने लगता है। यह इन मनोरोगी और कुटिल राजनेताओं को भी पता है, तभी सत्ता में आने से पहले ऐसे राजनेता सामाजिक अस्थिरता बढ़ाने में लिप्त रहते है और अपने समर्थकों के बीच यह संदेश पहुंचाने में व्यस्त रहते हैं कि सत्ता का विकल्प केवल कट्टरपंथी नेता ही हैं। ऐसे राजनेता भाषा को भी समाज से निकालकर एक वर्ग का और एक राजनैतिक दल का विषय बना देते हैं।

इज ऑफ डूइंग बिजनेस यानि ग्राम सभा माई फुट

सुधीर पाल

प्रधान मंत्री से लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों को इज ऑफ डूइंग बिजनेस का मुहावरा पसंद है। इज ऑफ डूइंग बिजनेस यानि एक ऐसी दुनिया की कल्पना है जिसमें प्रक्रियाएं तेज़ हों, अनापत्ति प्रमाणपत्र ऑनलाइन मिलें, और ज़मीन के कागज़ एक क्लिक पर ट्रांसफर हो जाएँ। इज ऑफ डूइंग बिजनेस विश्व बैंक द्वारा तैयार की जाने वाली एक वैश्विक रैंकिंग है, जिसमें किसी देश में व्यापार शुरू करने, संचालन, लाइसेंसिंग, टैक्सेशन, अनुबंध प्रवर्तन, और दिवालियापन प्रक्रिया जैसी व्यवस्थाओं की सरलता को मापा जाता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को आकर्षित करना और आर्थिक गतिविधियों को सुगम बनाना है। अगर कोई देश विश्व बैंक की सूचियों में ऊपर चढ़े लेकिन अपने जंगल, नदियाँ और लोगों की आवाज़ खो बैठे—तो क्या वह सचमुच विकसित हो पाया?

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में विकास की गति बढ़ाने के लिए निवेश, औद्योगीकरण और बुनियादी ढांचे का विश्तार अत्यंत आवश्यक है।

इसी उद्देश्य से सरकारों ने इज ऑफ डूइंग बिजनेस को प्राथमिकता दी है, ताकि देश में व्यापार करना आसान हो, निवेश आकर्षित हो और आर्थिक विकास को गति मिले। दूसरी ओर लोकतांत्रिक व्यवस्था में ग्रामसभा और स्थानीय समुदायों के अधिकार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, खासकर अनुसूचित क्षेत्रों और आदिवासी बहुल इलाकों में, जहाँ संसाधनों पर स्थानीय लोगों का परंपरागत स्वामित्व रहा है।

इज ऑफ डूइंग बिजनेस ने भारत को वैश्विक निवेश नक्शे पर तो उभारा, लेकिन इज ऑफ लिविंग को नज़रंदाज़ कर दिया। लोकतंत्र सिर्फ मतदाता पहचान पत्र नहीं है, वह ग्रामसभा की सामूहिक चेतना में बसता है।

संतुलन की जरूरत

अगर विकास के राश्ते पर लोकतंत्र की आवाज़ बाधा लगे, तो राश्ते को नहीं, सोच को बदलना होगा। आज आवश्यकता है एक ऐसे मॉडल की, जिसमें इज ऑफ डूइंग बिजनेस हो, लेकिन ग्रामसभा की असहमति को विकास की गति नहीं, उसकी दिशा बताने वाला मानें।

लैंड कानफ्लिक्ट वाच की ताजा आंकड़ों के मुताबिक भूमि अधिग्रहण तथा जंगल की जमीन को खनन एवं अन्य कारोबार के लिए इश्तेमाल किये जाने के प्रश्तावों को लेकर छोटे-बड़े 948 संघर्ष चल रहे है। एक करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हैं और साढ़े तीन लाख करोड़ से ज्यादा का पूंजी निवेश फंसा हुआ है।

करीब 47 लाख हेक्टेर से ज्यादा जमीन अधिग्रहण की चपेट में है। ये सारी परियोजनाएँ ग्रामसभा की स्वीकृति के कारण रुकी या विलंबित हुई है। इसमें खासकर खनिज और बिजली क्षेत्रों से संबंधित परियोजनाएं है। झारखंड में कई कोल परियोजनाएँ ग्रामसभा की असहमति के कारण रुकीं।

स्थानीय लोगों ने विस्थापन, पर्यावरणीय क्षति और पारंपरिक अधिकारों के हनन का हवाला दिया। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ और बश्तर जैसे क्षेत्रों में ग्रामसभा की सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण के प्रयासों का स्थानीय लोगों ने विरोध किया, जिससे परियोजनाएँ लंबित पड़ीं।

2018-19 में 60% से अधिक पर्यावरणीय मंजूरियाँ बिना ग्रामसभा की पूर्ण सहमति के दी गईं, जिस पर सामाजिक संगठनों ने आपत्ति जताई है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार, भूमि अधिग्रहण और ग्राम सभाओं की स्वीकृति में देरी भारत में निवेश की सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। नीति आयोग की रिपोर्ट (2022) के अनुसार आदिवासी क्षेत्रों में 70% से अधिक लोग मानते हैं कि ग्रामसभा के बिना परियोजनाएँ उनके हितों के विरुद्ध होती हैं।

भारत ने पिछले एक दशक में इज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में जबरदश्त छलांग लगाई है। 2014 में भारत की रैंक 142 थी, जो 2019 तक 63 पर पहुँच गई। यह सुधार मुख्यतः प्रक्रियाओं के सरलीकरण, डिजिटलाइजेशन और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल बनाने के कारण हुआ।

गाँव का मतलब केवल भूगोल नहीं

लेकिन जब बात खनिज, बिजली, सड़क, डैम जैसी परियोजनाओं की आती है, तो ग्रामसभा और पेसा कानून को अक्सर रुकावट के रूप में देखा जाता है। सरकारें और कॉरपोरेट मानते हैं कि ग्रामसभा की स्वीकृति निवेश की अनिश्चितता बढ़ाती है, जिससे परियोजनाएँ अटक जाती हैं। ग्रामसभा और पेसा संवैधानिक निकाय हैं और लोकतंत्र की जड़ें हैं।

पेसा कानून (1996), अनुसूचित क्षेत्रों में ग्रामसभा को भूमि, जंगल, और संसाधनों पर निर्णय का अधिकार देता है। वनाधिकार कानून 2006, आदिवासियों और स्थानीय समुदायों को वन अधिकार और संसाधनों पर स्वामित्व का मार्ग प्रशश्त करता है।

ग्रामसभा स्थानीय लोगों की सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण, खनन, या विकास परियोजनाओं को रोक सकती है। ओडिशा के नियमगिरि पहाड़ों में वेदांता कंपनी की बॉक्साइट खनन परियोजना ग्रामसभाओं की असहमति के कारण सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक दी गई। यहाँ 12 में से 12 ग्रामसभाओं ने परियोजना के खिलाफ मतदान किया, जिससे आदिवासी अधिकारों की जीत हुई। इज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों के तहत सरकारें और कॉरपोरेट सेक्टर ग्रामसभा की मंजूरी को अक्सर रुकावट मानते हैं। उनका तर्क है कि ग्रामसभा की सहमति में समय लगता है, जिससे परियोजनाएँ विलंबित होती हैं। कभी-कभी ग्रामसभा बाहरी दबाव या राजनीतिक कारणों से परियोजनाओं का विरोध करती है। निवेशकों को अनिश्चितता रहती है कि मंजूरी मिलेगी या नहीं।

स्थानीय समुदायों मान्यता है कि विकास परियोजनाएँ अक्सर उनकी भूमि, जंगल, जल और आजीविका छीन लेती हैं। पर्यावरणीय क्षति, विस्थापन और पारंपरिक जीवनशैली पर खतरा। ग्रामसभा के बिना निर्णय लेने से लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन होता है। भूमि अधिग्रहण का इतिहास बेहद डरावना है। सिर्फ झारखंड की बात करें तो कोयला, उधयोग तथा डैम से विस्थापित हजारों लोग मुआवजा और बुनियादी हकों के लिए लड़ रहे हैं

ग्राम सभा को साझेदार बनाइये

इज ऑफ डूइंग बिजनेस और ग्रामसभा के अधिकारों के बीच संतुलन बनाना भारत के सतत विकास के लिए अनिवार्य है। जहाँ निवेश और विकास जरूरी हैं, वहीं स्थानीय समुदायों की भागीदारी, पारदर्शिता और पर्यावरणीय लोकतंत्र भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

सरकार को चाहिए कि परियोजना की शुरुआत में ही ग्रामसभा से संवाद, उनकी चिंताओं का समाधान करे। परियोजनाओं की पूरी जानकारी, संभावित लाभ-हानि, पर्यावरणीय प्रभाव का खुलासा ग्राम सभाओं सहित नागरिक संगठनों के पास करे। ग्रामसभा की मंजूरी के लिए स्पष्ट और समयबद्ध प्रक्रिया बनाए ताकि अनावश्यक विलंब न हो।

स्थानीय लोगों को परियोजना से रोजगार, मुआवजा, पुनर्वास और सामाजिक विकास के अवसर केवल एम ओ यू का हिस्सा नया हो बल्कि यह जमीन पर पूर्णतः लागू हो। स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन, जिसमें ग्रामसभा की भागीदारी हो अभिशासन का हिस्सा हो। इससे न सिर्फ निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा, बल्कि लोकतंत्र की जड़ें भी मजबूत होंगी।

वैश्विक अनुभव से सबक लीजिए

बुर्कीना फासो में खनिजों को बहुत बड़ा जखीरा है। पश्चिमी देश बड़े पैमाने पर दोहन करते थे। बुर्कीना फासो के राष्ट्रपति इब्राहिम ट्रोरे समुदायों के हित में कई कदम उठाए।

दो सोने की खदानों का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इंटरनेशनल मोनेटरी फंड और वर्ल्ड बैंक से वित्तीय मदद लेने से मना कर दिया। मकसद था ये संदेश देना कि बुर्कीना फासो पश्चिमी देशों की मदद बिना भी विकास कर सकता है। ब्राजील ने तय किया है कि अमेजन क्षेत्र में स्थानीय समुदायों की सहमति के बिना खनन परियोजनाएँ नहीं चलाई जा सकती।

ऑस्ट्रेलिया में आदिवासी अधिकारों की रक्षा के लिए 'लैंड काउंसिल्स' की भागीदारी अनिवार्य है। कनाडा में फर्स्ट नेशंस समुदायों की सहमति के बिना संसाधन दोहन संभव नहीं। भारत को भी वैश्विक अनुभवों से सीखते हुए स्थानीय लोकतंत्र और निवेश के बीच संतुलन बनाना चाहिए। इससे न केवल सामाजिक समरसता बढ़ेगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा भी मजबूत होगा।

रील की दुनिया में रियल ज़िंदगी का विघटन, दिखावे की दौड़ में थकती ज़िंदगी

प्रियंका सौरभ

आज का समाज एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ एक तरफ़ तकनीकी प्रगति ने जीवन को सहज और तेज़ बना दिया है, वहीं दूसरी ओर यही तकनीक धीरे-धीरे सामाजिक ताने-बाने को चुपचाप खोखला कर रही है। सोशल मीडिया, जो कभी सूचना और संपर्क का सशक्त माध्यम था, आज एक ऐसा नशा बन चुका है जिसने परिवार, संबंध और मानसिक स्वास्थ्य तीनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

पहले के समय में संवाद का अर्थ था – बैठ कर बात करना, साथ हँसना, रोना, बहस करना और समझना। आज यह सब कुछ 'टाइप' और 'स्क्रॉल' में बदल गया है। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिलाएं हों या पुरुष – सबके हाथ में स्मार्टफोन है और निगाहें स्क्रीन पर। कभी जो बातें रसोई, आँगन या बैठक में होती थीं, आज वो 'स्टेटस अपडेट', 'रील' या 'ट्वीट' में समा गई हैं।

जिस रफ्तार से इंटरनेट की पहुँच और स्मार्टफोन का प्रसार हुआ है, उसी रफ्तार से हमारी असल दुनिया सिमटती जा रही है। सोशल मीडिया ने रिश्तों की परिभाषा बदल दी है – अब दोश्त वो हैं जिनके पोस्ट पर हम हार्ट भेजते हैं, परिवार वो है जिसके मैसेज को हमने 'सीन' किया हो, और सुख-दुख वो है जो हमने 'स्टोरी' पर साझा किया हो।

बच्चे अब खेल के मैदान में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर 'गेमिंग' कर रहे हैं। स्कूलों से लौटकर माँ-बाप से बात करने की बजाय वे इंस्टाग्राम खोलते हैं। किशोरावस्था, जो कभी आत्म-अन्वेषण और सामाजिक अनुभवों का समय हुआ करता था, आज वह सेल्फी, फ़िल्टर और वर्चुअल पहचान की दौड़ में उलझ गया है।

सोशल मीडिया के इस अति-उपयोग ने एक ऐसा द्वंद्व पैदा किया है जहाँ व्यक्ति दिखने में बहुत व्यश्त है पर भीतर से बेहद अकेला है। रिश्ते जो कभी जीवन का आधार होते थे, अब 'टैग' और 'मेंशन' में बदल चुके हैं। पति-पत्नी एक ही छत के नीचे रहते हैं, लेकिन बातचीत व्हाट्सएप पर होती है। माँ-बाप बच्चों को खाना परोसते हैं, और बच्चे खाने से पहले उसकी तस्वीर खींचकर पोस्ट करते हैं।

यह आदत अब लत बन चुकी है – सुबह उठते ही सोशल मीडिया चेक करना, रात को सोने से पहले स्क्रॉल करना, हर क्षण को लाइव करना या कम से कम फ़ोन में कैद करना। यह व्यवहार अब केवल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि मानसिक विकारों का बीज भी बन चुका है। डिजिटल लाइफस्टाइल ने न केवल नींद, आहार, एकाग्रता को प्रभावित किया है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाला है।

सोशल मीडिया पर दिखने वाली 'परफेक्ट ज़िंदगी' का निरंतर सामना आम इंसान को हीन भावना से भर देता है। दूसरों की सफलताओं, सुंदरताओं, यात्रा और जीवनशैली की तस्वीरें देखकर व्यक्ति अपने जीवन को तुच्छ समझने लगता है। यही वह क्षण होता है जब तनाव, अवसाद और आत्मग्लानि जैसे विकार जन्म लेने लगते हैं।

खासकर किशोरों और युवाओं में यह प्रभाव और भी तीव्र है। सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स ने आत्ममूल्यांकन का नया पैमाना बना दिया है। एक पोस्ट पर कम लाइक आए तो आत्म-सम्मान को ठेस लगती है, ट्रोलिंग हो जाए तो महीनों तक अवसाद की स्थिति बनी रहती है।

दूसरी ओर, इस प्लेटफॉर्म पर 'फेक आईडेंटिटी' और 'वर्चुअल ग्लैमर' का जाल इतना घना हो गया है कि लोग वाश्तविकता से कटते जा रहे हैं।

एक तरफ जहां व्यक्ति दूसरों को दिखाने के लिए महंगे कपड़े, कारें और कैफे में फोटो पोस्ट करता है, वहीं असल ज़िंदगी में वह कर्ज़ और तनाव से घिरा होता है।

परिवारों में संवाद की जगह अब संदेह, दूरी और झगड़े ने ले ली है। शादीशुदा ज़िंदगियों में सोशल मीडिया पर गैरज़रूरी बातचीत और अफेयर्स ने तलाक के मामलों में वृद्धि की है। बच्चों में चिड़चिड़ापन, सोशल आइसोलेशन और एकांतप्रियता बढ़ी है। बुजुर्ग अपने ही घर में उपेक्षित महसूस करते हैं क्योंकि बच्चे मोबाइल में खोए रहते हैं।

इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर झूठे आदर्शों और हानिकारक कंटेंट की भरमार भी है। लड़कियों को परफेक्ट फिगर के दबाव में डाला जाता है, युवाओं को सफलता के झूठे मॉडल दिखाकर भ्रमित किया जाता है, और छोटे बच्चे हिंसक या भ्रामक गेम्स में उलझ जाते हैं। आज जब हम 'फैक्ट चेकिंग' और 'डिजिटल लिटरेसी' की बात करते हैं, तब यह समझना ज़रूरी है कि सोशल मीडिया सिर्फ सूचना या मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है – यह अब हमारी सोच, व्यवहार और संबंधों को गहराई से प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुका है।

भारत जैसे देश में, जहाँ संयुक्त परिवार की परंपरा रही है, वहाँ सोशल मीडिया ने 'संयुक्तता' की भावना को गहराई से चुनौती दी है। लोग अब त्यौहारों में साथ बैठकर मिठाई खाने की बजाय उस मिठाई की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने में लगे रहते हैं। रिश्तों का स्पर्श, संवाद की गर्माहट और एक-दूसरे की मौजूदगी की जो भावना होती थी, वह डिजिटल एल्गोरिद्म के पीछे छिप गई है।

यह सच है कि सोशल मीडिया ने कई सकारात्मक चीजें भी दी हैं – आवाज़ उठाने का मंच, जागरूकता फैलाने का साधन, और कई मामलों में न्याय की दिशा में जनदबाव बनाने का माध्यम। लेकिन जब यही साधन साध्य बन जाए, तो समस्या खड़ी होती है।

अब यह समय है जब हमें व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों श्तरों पर आत्मचिंतन करने की ज़रूरत है। हमें यह समझना होगा कि हम सोशल मीडिया के उपयोगकर्ता हैं, उसके दास नहीं। तकनीक का उपयोग जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए, न कि उसे निगल जाने के लिए।

हमें अपने बच्चों को बताना होगा कि लाइफ का मतलब लाइक्स नहीं होता। हमें उन्हें यह सिखाना होगा कि रील लाइफ से ज़्यादा कीमती रियल लाइफ होती है। हमें खुद से पूछना होगा कि आखिरी बार जब हम अपने माता-पिता के पास बैठकर बिना मोबाइल के बात किए, वह कब था।

संघर्ष यह नहीं है कि सोशल मीडिया को छोड़ देना चाहिए, संघर्ष यह है कि इसे कैसे संतुलित किया जाए। हमें 'डिजिटल डिटॉक्स' की आदत डालनी होगी – एक दिन बिना सोशल मीडिया के बिताना, भोजन करते समय मोबाइल को दूर रखना, रात को सोने से पहले स्क्रीन नहीं देखना, सुबह उठते ही ईश्वर या परिवार को याद करना, न कि इंस्टाग्राम को।

सरकारों और संस्थानों को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। स्कूलों में डिजिटल संतुलन की शिक्षा, माता-पिता के लिए कार्यशालाएँ, और सोशल मीडिया कंपनियों पर बच्चों के लिए सुरक्षित सामग्री सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

मनुष्य का मश्तिष्क तकनीक से तेज़ है, लेकिन अगर वह तकनीक का गुलाम बन जाए, तो मानवता खो बैठता है। सोशल मीडिया एक शक्तिशाली औजार है, बशर्ते हम उसे नियंत्रित करें, न कि वह हमें।

अब समय है कि हम डिजिटल दुनिया में खुद को फिर से खोजें सच्चे रिश्तों के लिए, मानसिक शांति के लिए और एक ऐसे समाज के लिए जो तकनीक से सशक्त हो लेकिन संवेदनाओं से जुड़ा भी हो।

सोशल मीडिया का यह नया नशा तभी टूटेगा जब हम आत्मनियंत्रण, संवाद और समझदारी से इसे अपनाएँगे। वरना यह नशा हमारे बच्चों से उनकी मासूमियत, हमारे परिवार से उसकी गर्माहट और हमारे समाज से उसकी आत्मा छीन लेगा।

(लेखिका कवयित्री, स्तंभकार व स्वतंत्र पत्रकार है)

दिल्ली-एनसीआर में पेट्रोल-डीजल वाहनों की बिक्री पर रोक ज्यादा जरूरी

अर्जुन देशप्रेमी

अंततोगत्वा दिल्ली सरकार ने दिल्ली में पुरानी गाड़ियों को तेल न देने और उनको जब्त करने की कार्रवाई को विराम देने के साथ ही अदालत का दरवाजा खटखटाने का निर्णय किया है जिससे दिल्ली में 10 साल से ज्यादा पुरानी डीजल और 15 साल से ज्यादा पुरानी पेट्रोल गाड़ियों को डीजल और पेट्रोल मिल सके और उनको जब्त न किया जाये (लोगों को अपनी इन गाड़ियों को कबाड़ में न बेचना पड़े, स्क्रैप न कराना पड़े। सरकार का यह निर्णय देखा जाये तो ठीक ही है, पर प्रदूषण का क्या?

क्या इससे दिल्ली में प्रदूषण पर रोक लगाने में समस्या नहीं आएगी? दरअसल दिल्ली में प्रदूषण की बड़ी समस्या रही है। इससे पहले सन 2000 के आसपास तो दिल्ली गैस चैम्बर जैसी बन गई थी। उससे उबारने के लिए आनन फानन में दिल्ली की सभी बसों को डीजल से हटाकर सीएनजी में कन्वर्ट किया गया था।

पर इसके बाद फिर जैसे जैसे दिल्ली बढ़ती गयी, यहाँ कारों, दोपहिया वाहनों के साथ साथ दूसरे वाहनों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होती गयी। परिणाम यह हुआ कि दिल्ली में एक बार फिर प्रदूषण खतरनाक श्तर पर पहुँच रहा है।

सर्दियों में तो बेहद खतरनाक हो जाता है। यह एक बड़ी सच्चाई है कि दिल्ली दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार है। 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली की औसत वार्षिक पीएम 2.5 मात्रा विश्व स्वस्थ्य संगठन गाइडलाइन से करीब 20 गुना ज्यादा है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार डीज़ल कारें कुल वाहनों का 2% होते हुए भी पीएम 2.5 में 10% योगदान करती हैं। बोर्ड के अनुसार पुरानी गाड़ियाँ नई गाड़ियों की तुलना में कई गुना ज्यादा नाइट्रोजन ऑक्साइड और पार्टिकुलेट मैटर छोड़ती हैं।

इसी आधार पर 2014 में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एन जी टी) ने आदेश दिया कि दिल्ली-एनसीआर में 10 साल से पुरानी डीज़ल गाड़ियाँ और 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाड़ियाँ चलाना प्रतिबंधित है। 2018-2019 में सुप्रीम कोर्ट ने इस पर मुहर लगाई और कहा कि इन गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया जाएगा।

इसके ऊपर जैसे ही दिल्ली में 1 जुलाई से अमल आरम्भ हुआ, हडकंप सा मच गया। 62 लाख वाहनों पर खतरा आ गया। अब सवाल है कि क्या यह उचित है? क्या इसके पीछे जो तर्क दिया जा रहा है, वह ठीक है? दुनिया के दूसरे देशों में भी प्रदूषण की समस्या है। तो क्या वहां भी ऐसे ही नियम लागू हैं? और नहीं तो फिर किया क्या जाना चाहिए? जर्मनी के कुछ शहरों में पुराने डीज़ल वाहनों को 'ग्रीन ज़ोन' में एंट्री से रोका जाता है, पर चलना पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं है। फ्रांस के पेरिस में एक 'क्रिट' एयर सर्टिफिकेट सिस्टम है जिसके तहत सबसे प्रदूषक गाड़ियों पर हाई ट्रैफिक टाइम यानि पीक ऑवर में रोक है।

लंदन में प्रदूषण फैलाने वाली पुरानी गाड़ियों पर भारी चार्ज लगाया जाता है। चीन के बीजिंग और शंघाई जैसे शहरों में 10–15 साल पुरानी गाड़ियों पर कुछ ज़ोन में एंट्री बैन, पर शहर के बाहर चल सकती हैं। यानि अधिकतर देशों में दिल्ली की तरह सीधा पेट्रोल/डीजल देने पर रोक लगाने जैसा कोई नियम नहीं है। उनको चलाने पर भारी टैक्स, रोड चार्ज या ज़ोनल प्रतिबंध होते हैं।

2021 में भारत सरकार ने वाहन कबाड़ नीति लागू की जिसके तहत 20 साल पुरानी निजी गाड़ियाँ ऑटोमैटेड टेस्ट में फेल होने पर अनफिट घोषित किये जाने का प्रावधान है, पर फिट होने पर गाड़ी चल सकती है। इसके उलट दिल्ली-एनसीआर में एन जी टी का आदेश बेहद सख्त है।

इसके तहत डीज़ल वाहन 10 साल, पेट्रोल वाहन पर 15 साल बाद सीधा प्रतिबंध लग जाता है। किसी टेस्ट या फिटनेस टेस्ट की ज़रूरत ही नहीं। आपकी गाड़ी नयी गाड़ियों से भले ही बेहतर हो, पर वह कबाड़ मान ली जाएगी और जब्त कर ली जाएगी। इसे सुप्रे कोर्ट तक ने जायज बता दिया है।

पर सवाल है कि क्या यह अनुचित नहीं है? देश के ज्यादातर लोगों, खासकर मिडिल क्लास के लिए कार खरीदना एक भावनात्मक पल होता है जिसमे जीवन की बड़ी कमाई पूँजी लगाती है। जीवन में वे एक बार ही गाड़ी खरीद पाते है, या उनकी क्षमता होती है। ऐसे में इस तरह की रोक उनके सपनों पर कुठाराघात करने जैसी है।

शायद कोर्ट और सरकारों ने इस मुद्दे पर पूरी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया कि उम्र से गाड़ी के प्रदूषण का सीधा लेना देना नहीं है। ऐसा देखा गया है कि किसी ने 2 से तीन साल में ही अपनी गाड़ी 2 से 3 लाख किलोमीटर चला दी हो और उसका अस्थि पंजर ढीला हो गया हो। उसने इंजन के रखरखाव पर ध्यान न दिया हो।

प्रॉपर सर्विस न कराई हो। ऐसे में उसकी गाड़ी नई होने पर भी ज्यादा प्रदूषण करेगी। इसके विपरीत यह भी होता है कि किसी कि गाड़ी है तो 10 या 15 साल से ज्यादा पुरानी, पर चली 1 लाख किलोमीटर से भी कम है।

कई लोगों को मई जानता हूँ जिनकी गाड़ी महीने में 300 किलोमीटर से भी कम चलती है। ऐसे में उनकी गाड़ी 15 साल में चली है सिर्फ 54 हजार किलोमीटर। ऐसे लोगों ने अपनी गाडी की प्रॉपर सर्विस करा रखी है। कई तो नयी जैसी दिखती है। जाहिर है ये गाड़यिाँ कम प्रदूषण फैलाएंगी।

इन उदाहरणों से साफ साबित होता है कि सिर्फ उम्र से ज्यादा प्रदूषण फैलाने के कोई लेना देना नहीं है। ऐसे में कोर्ट और सरकारों को चाहिए की वे गाड़ियों की समय समय पर जाँच के आधार पर गाड़ियों को सडकों से हटाने कैसी नीति बनाएं। इसमिन एक नियम यह भी हो सकता है की गाडी कितने किलोमेटे चली है और उसका रखरखाव का इतिहास क्या है? इसके बाद फिटनेस को परखा जाये और फिर उनपर रोक लगाने के नियम बनाए जायें। इसके साथ ही इंधन की गुणवत्ता पर जोर दिया जाये।

दिल्ली और एनसीआर में पेट्रोल और डीजल की नयी गाड़ियों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगा दिया जाये। दिल्ली में सिर्फ सीएनजी, हाइड्रोजन या इलेक्ट्रिक गाड़ियों की ही बिक्री हो।

ऐसा करने से अगले कुछ वर्षों में डीजल और पेट्रोल वाहनों की संख्या निरंतर कम होती जाएगी और समस्या अपने आप सुलझ जाएगी, प्रदूषण पर नियंत्रण आसन हो जायेगा। साथ बाहर से आनेवाली पुरानी गाड़ियों की पहचान कर उनको शहर में प्रवेश न करने दिया जाये।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

21 हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी

फर्रूखाबाद, शाहजहांपुर सहित इन जिलों को फायदा

लखनऊ, एजेंसी। कैबिनेट बैठक में गौतम बुद्धनगर, फर्रूखाबाद, शाहजहांपुर, नोएडा और हाथरस में 21252 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। जल्द ही सभी कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी किया जाएगा। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि कैबिनेट बैठक में अवाडा इलेक्ट्रो प्राइवेट लिमिटेड को ग्रेटर नोएडा में 202350 वर्ग मीटर भूखंड के आवंटन पर 252.92 करोड़ की फ्रंट एंड लैंड सब्सिडी प्रोत्साहन राशि के रूप में देने का निर्णय लिया गया है।

प्रमुख सचिव एमएसएमई, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार ने बताया कि यूपी सौर ऊर्जा में निवेश का बड़ा गढ़ बनेगा। 19 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश सौर ऊर्जा क्षेत्र में किया गया है। उन्होंने बताया कि औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के तहत वृहद श्रेणी में 50-200 करोड़, मेगा श्रेणी में 200-500 करोड़, सुपर मेगा श्रेणी में 500-3000 करोड़ व अल्ट्रा मेगा श्रेणी में 3000 करोड़ से अधिक की लागत वाली औद्योगिक इकाइयों को विभिन्न प्रोत्साहन कैपिटल सब्सिडी, भूमि लागत पर सब्सिडी, नेट एसजीएसटी की प्रतिपूर्ति, प्लांट और मशीनरी पर लिए ऋण पर ब्याज की प्रतिपूर्ति, स्टांप शुल्क में छूट, इलेक्ट्रिसिटी में छूट, औद्योगिक अनुसंधान के ऋण पर ब्याज की प्रतिपूर्ति आदि प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। उन्होंने बताया कि नोएडा एवं हाथरस में अवाडा इलेक्ट्रो प्राइवेट लिमिटेड के 11399 करोड़, गौतमबुद्धनगर में सेल सोलर पी6 प्राइवेट लिमिटेड के 8000 करोड़, यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड के 736 करोड़, शाहजहांपुर में मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट के 717 करोड़, फर्रुखाबाद में मेसर्स आईडीबीबी रिसाइक्लिंग आपरेशंस के 460 करोड़ के प्रस्तावों पर मंजूरी दी गई। जल्द ही इन कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी किया जाएगा। कैबिनेट ने त्वरित प्रोत्साहन नीति-2020 के तहत अमेठी में सीमेंट प्लांट को भी मंजूरी दी है। कंपनी अमेठी में 44.5 एकड़ निजी भूमि पर 170 करोड़ का निवेश करेगी। कंपनी को 12.19 करोड़ रुपये नेट जीएसटी और विद्युत शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में दिए जाएंगे।

अभिषेक प्रकाश पर रिश्वत का आरोप लगाने वाली कंपनी को मंजूरी

सब्सिडी के एवज में इन्वेस्ट यूपी के पूर्व सीईओ आईएएस अभिषेक प्रकाश पर रिश्वत का आरोप लगाने वाली कंपनी सेल सोलर पी6 प्राइवेट लिमिटेड को निवेश के लिए जमीन के साथ मंजूरी दे दी गई। सेल सोलर को गौतमबुद्धनगर में 200 एकड़ जमीन दी गई है। जहां कंपनी 8000 करोड़ के निवेश से पांच गीगावाट के सोलर सेल और माड्यूल और विद्युत संयंत्र का उत्पादन करेगी। कंपनी को कस्टमाइज वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज भी दिया जाएगा।

नौ महीने बाद लखनऊ-कानपुर हाईवे पर सोनिक के पास डायवर्जन खत्म

लखनऊ, एजेंसी। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर सोनिक मोड़ के पास एक्सप्रेसवे क्रॉस कर रहा है। ऐसे में यहां पर अंडरपास का काम 20 अक्तूबर 2024 को शुरू हुआ था। संस्था ने दो माह का काम पूरा करने में नौ माह का समय लगा दिया। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माणाधीन अंडरपास को लेकर सोनिक मोड़ पर लागू रूट डायवर्जन नौ माह बाद खत्म हो गया है। बृहस्पतिवार को हाइवे की बंद लेन को खोल दिया गया। इसके साथ ही दोनों लेन से वाहन फर्राटा भरने लगे। मेरठ से प्रयागराज के बीच बन रहा गंगा एक्सप्रेसवे उन्नाव के 76 गांवों से निकल रहा है। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर सोनिक मोड़ के पास एक्सप्रेसवे क्रॉस कर रहा है। ऐसे में यहां पर अंडरपास का काम 20 अक्तूबर 2024 को शुरू हुआ था। निर्माण के लिए हाईवे की दोनों लेन पर 32 गर्डर रखे जाने थे। सोनिक मोड़ के पास से बसीरतगंज के बीच 200 मीटर में वाहनों के लिए रूट डायवर्जन लागू किया गया था। इस दौरान एक लेन को बंद करके दूसरी लेन से ही दोनों तरफ के वाहनों को निकाला जाता था। इसी कारण अक्सर यहां पर जाम के हालात बने रहते थे। कार्य नवंबर 2024 तक पूर्ण करना था, लेकिन कार्यदायी संस्था की लापरवाही और सुस्ती से लगातार समय बढ़ता गया और लोगों को जाम का झाम झेलना पड़ा। संस्था ने दो माह का काम पूरा करने में नौ माह का समय लगा दिया।

एक गांव ऐसा...जहां प्रधान आगरा का, सांसद और विधायक इटावा के, 2026 में मिलेगी नई पहचान

आगरा, एजेंसी। आगरा और इटावा जिले की सीमा पर बसे इस गांव के बारे में जो भी सुनता है हैरान रह जाता है। यहां पर दोहरी व्यवस्था से गांव के करीब 900 मतदाता प्रभावित हैं। आगरा और इटावा जिले की सीमा पर बसा फकीरे की मड़ैया गांव प्रशासनिक व्यवस्था के कारण चर्चा का विषय बना हुआ है। यह एक ऐसा गांव है जहां के निवासी अपना ग्राम प्रधान तो आगरा जिले में चुनते हैं, लेकिन जब सांसद और विधायक चुनने की बारी आती है तो वे इटावा जिले के मतदाता बन जाते हैं। इस दोहरी व्यवस्था से गांव के करीब 900 मतदाता प्रभावित हैं। आजादी के बाद यमुना नदी के किनारे फकीरे की मड़ैया गांव बसाया गया। शुरुआत में यह गांव प्रशासनिक रूप से आगरा जिले की बाह तहसील की ग्राम पंचायत पारना का एक मजरा था। सभी प्रशासनिक और चुनावी प्रक्रिया आगरा जिले के तहत ही होती थीं। वर्ष 1996 में राजनीतिक लाभ के चलते इस गांव की चुनावी रूपरेखा बदल दी गई। लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए इसे इटावा जनपद के जसवंतनगर विकास खंड का हिस्सा बना दिया गया। हालांकि, पंचायतीराज व्यवस्था के तहत यह गांव जिला पंचायत और प्रधानी के चुनावों के लिए आगरा की बाह तहसील से ही जुड़ा रहा। इस बदलाव से गांव को दो जिलों की प्रशासनिक व्यवस्था में उलझा हुआ है। इस दोहरी व्यवस्था से ग्रामीणों को राजस्व संबंधी कार्यों के लिए इटावा जिले का चक्कर लगाना पड़ता था। जबकि पंचायत से जुड़े विकास कार्यों और चुनावों के लिए वे आगरा की बाह तहसील पर निर्भर थे। ग्रामीणों की लगातार शिकायतों के बाद शासन ने 6 नवंबर 2015 को एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया। इस आदेश के तहत, राजस्व ग्राम फकीरे की मड़ैया को आधिकारिक रूप से आगरा से हटाकर इटावा जिले के जसवंतनगर विकास खंड की ग्राम पंचायत बाऊथ में शामिल कर दिया गया।

प्रेमिका की शादी के छह महीने बाद मौत...

प्रेमी की जिस तरह गई जान, कांप गए घरवाले, पुलिस जांच में जुटी

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना ट्रांस यमुना इलाके के चंदन नगर में बृहस्पतिवार दोपहर फैक्टरी कर्मचारी अभिषेक शर्मा (20) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों ने हत्या का अंदेशा जताया है। पुलिस प्रेम संबंधों पर भी पड़ताल कर रही है। मूलरूप से मैनपुरी का रहने वाला अभिषेक शर्मा पुत्र मनोज शर्मा अपनी मां लक्ष्मी और बहन के साथ चंदन नगर में रहता था। मां और अभिषेक नुनिहाई स्थित फैक्टरी में काम करते थे। पुलिस ने बताया कि दोपहर करीब तीन बजे कुछ लोगों ने अभिषेक को घर में कमरे में फंदे से लटका देखा, लेकिन दरवाजा बाहर से बंद था।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजन ने हत्या का अंदेशा जताया है। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में भी लिया है। एसीपी पियूष कांत राय का कहना है कि मृतक के प्रेम संबंध एक युवती से चल रहे थे। मगर, 6 महीने पहले युवती की शादी हो गई। इसके बाद से वह तनाव में था। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। मोबाइल की भी जांच की जा रही है। आशंका है कि उसके मोबाइल में वीडियो भी है।

रिश्ते के देवर-भाभी में हुआ लव...

चबूतरे पर दोनों को ऐसा करते देख पति को खौला खून, पत्नी समेत दो की हत्या

हाथरस, एजेंसी। प्रेमी करन ने बताया कि गौरी ने परिवार में कई बार हुए विवाद के दौरान आदित्य के साथ रहने से साफ इन्कार कर दिया था। इसे लेकर कई बार परिवार में विवाद भी हुआ था, लेकिन परिवार ने अनदेखा कर दिया था। महिला का पति तीन दोस्तों के साथ वारदात को अंजाम देने पहुंचा था।

उत्तर प्रदेश के हाथरस से सनसनीखेज वारदात सामने आई। यहां के गांव नगला कली में प्रेमी के साथ रह रही पत्नी को युवक ने चाकू से गोदकर मार डाला। वारदात के दौरान महिला के प्रेमी करन द्वारा किए गए हमले में पति आदित्य के साथ आए उसके दोस्त की भी जान चली गई और प्रेमी भी घायल हुआ है। प्रेमी करन ने बताया कि उसकी प्रेमिका गौरी ने परिवार में कई बार हुए विवाद के दौरान पति के साथ रहने से साफ इन्कार कर दिया था। इसे लेकर कई बार परिवार में विवाद भी हुआ था, लेकिन परिवार ने अनदेखा कर दिया था।

यह है मामला: घटनाक्रम के अनुसार मूल रूप से अलीगढ़ शहर के नुमाइश ग्राउंड इलाके की 24 वर्षीय गौरी ने तीन वर्ष पहले कासगंज के नसरतपुर के आदित्य संग प्रेम विवाह किया था। शादी के कुछ दिन बाद ही दोनों में अनबन शुरू हो गई। इसी बीच आदित्य के फुफेरे भाई यानि गौरी के रिश्ते के देवर करन निवासी हसनपुर बारू से गौरी के प्रेम संबंध हो गए। इन्हीं प्रेम संबंधों में 26 जून को करन व गौरी नसरतपुर से चले आए। करन गौरी को लेकर अपनी मौसी के गांव सहपऊ के नगला कली पहुंच गया। तब से वहीं रह रहा था।

दोनों को बात करते देख उग्र हो गया आदित्य: यह खबर जब आदित्य को हुई तो वह बृहस्पतिवार को अपने तीन दोस्तों संग दो बाइकों से नगला कली पहुंच गया। यहां दोपहर करीब ढाई बजे घर के चबूतरे पर खड़े करन व गौरी आपस में बात कर रहे थे। उन्हें देख आदित्य उग्र हो गया। इस दौरान आदित्य व करन के बीच विवाद शुरू हो गया। कुछ ही देर में वे झगड़ा करने लगे। इस झगड़े में जब गौरी बीच में आई तो प्लानिंग के तहत चाकू लेकर आए आदित्य ने गौरी पर कई वार करते हुए उसकी हत्या कर दी। बीचबचाव में करन आया तो उसे भी ईंट मारकर घायल कर दिया। इस बीच घायल करन ने भी जवाब में ईंट पत्थर फेंके, जिसमें एक ईंट आदित्य के साथ आए उसके दोस्त नदरई कासगंज के अमन के सिर में जा लगी। जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया। कुछ देर तक दोनों ओर से लाठी-डंडे भी चले। मगर चीख पुकार पर आसपास के ग्रामीणों को आता देख आदित्य व उसके दो दोस्त तो भाग गए। मगर घायल अमन व मृत महिला का प्रेमी करन वहीं रह गए।

जिन्हें ग्रामीणों ने पकड़ लिया। खबर पर पहुंची पुलिस टीम ने आनन फानन दोनों घायलों को सीएचसी पहुंचाया। जहां से अमन को आगरा रेफर किया गया। मगर सिर में गंभीर चोट के चलते उसकी भी रास्ते में मृत्यु हो गई। बाद में पुलिस ने फॉरेंसिक जांच के बाद शव पोस्टमार्टम को भेजे। वहीं पुलिस टीम फरार आरोपियों की तलाश में भी जुट गई।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ट्रेलर में घुसी बस, चालक की मौके पर मौत; कई सवारियां घायल

आगरा, एजेंसी। थाना फतेहाबाद क्षेत्र के अंतर्गत आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 32 पर लखनऊ से सवारियां लेकर दिल्ली जा रही बस आगे चल रहे ट्रेलर में घुस गई। इससे बस में बैठी सवारियों में चीख पुकार मच गई। हादसे में चालक की मौके पर मौत हो गई जबकि आधा दर्जन भर सवारियां घायल हो गईं। मौके पर पहुंची फतेहाबाद पुलिस व यूपीडा की टीम ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद में भर्ती कराया गया। मौके पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम चालक को निकालने का प्रयास कर रही है।

निवेश के नाम पर ठगी..., इस तरह गवां दिए 5.56 लाख रुपये, साइबर थाने में दर्ज हुआ केस

आगरा, एजेंसी। निवेश और फिर मोटा मुनाफा इस तरह का लालच देकर पीड़िता को फंसा लिया गया। उससे 5.56 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। पीड़ित की शिकायत के बाद साइबर थाने में केस दर्ज हुए हुआ है। आगरा में निवेश के नाम पर मुनाफे का लालच देकर साइबर ठगों ने एक युवक को बातों में फंसा लिया। निवेश के 50 हजार रुपये निकालने के नाम पर कई बार में 5.56 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए। ठगी का अहसास होने पर साइबर थाने में केस दर्ज कराया है। थाना इरादतनगर के गांव रहलई निवासी सचिन त्यागी ने केस दर्ज कराया है। आरोप लगाया कि उनके व्हाट्सएप पर अंजान नंबर से एक मैसेज आया था। मैसेज भेजने वाले ने खुद को विलियम्स सोनामा नाम की कंपनी का प्रतिनिधि बताया। कंपनी में रुपये निवेश करने पर अधिक मुनाफे का लालच दिया। प्रोफाइल बनाने की बोलकर टेलीग्राम पर एक ग्रुप में जोड़ दिया। मुनाफे की स्कीम बताकर बातों में फंसा लिया। 25 अप्रैल को उन्होंने 50 हजार रुपये निवेश किए थे। जरूरत पड़ने पर उन्होंने रुपये निकालने का प्रयास किया। ट्रांसफर नहीं होने पर ठगों ने बहाने बनाकर तीन बार में 5.56 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद रुपयों की मांग करने लगे। तब ठगी का अहसास हुआ। साइबर थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस जांच में जुटी है।

बच्ची से दुष्कर्म...: मुठभेड़ में पकड़ा आरोपी, दो साल पहले भी की थी

मासूम से हैवानियत; जमानत पर था बाहर

कासगंज, एजेंसी। कासगंज के गंजडुंडवारा क्षेत्र के एक गांव में सात वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी भुट्टा तुड़वाने का लालच देकर बच्ची को मक्का के खेत में ले गया और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने देर शाम आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी संजीव सोलंकी के पैर में गोली लगी है। आरोपी संजीव दो साल पहले भी सहावर क्षेत्र में एक मासूम की दुष्कर्म के बाद हत्या करने के मामले में जेल गया था। फिलहाल जमानत पर रिहा हुआ था। बृहस्पतिवार की सुबह 11 बजे वह मासूम बच्ची को खेत में ले गया और दुष्कर्म करने लगा। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर वहां से गुजर रहे ग्रामीणों ने दौड़कर बच्ची को उसके चंगुल से बचाया। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग गया। सूचना पर बच्ची के परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। पटियाली सीओ संतोष कुमार, एएसपी राजेश भारती, एसपी अंकिता शर्मा ने गांव में पहुंच कर घटना की जानकारी ली और बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी संजीव कुमार सोलंकी (32) के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इस दौरन वह एक आरक्षी को धक्का देकर भागने लगा। पुलिस टीम ने आरोपी के पैर में गोली मारकर उसे घायल कर दबोच लिया।

सीबीआई रेड इन मेरठ:

डॉ. सरोजिनी अग्रवाल की बेटी शिवानी की हो सकती है गिरफ्तारी, 35 लोगों पर दर्ज है रिपोर्ट

मेरठ, एजेंसी। पूर्व एमएलसी भाजपा नेता डॉ. सरोजिनी अग्रवाल की बेटी शिवानी अग्रवाल पर सीबीआई ने केस दर्ज करने के बाद गहनता से जांच शुरू कर दी है। सीबीआई इस मामले में डॉ. शिवानी अग्रवाल की गिरफ्तारी कर सकती है या हिरासत में लेकर पूछताछ भी कर सकती है।

खरखौदा स्थित नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंज में एमबीबीएस की 50 सीटें बढ़ाने के लिए मेडिकल कॉलेज की तरफ से राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) में आवेदन किया गया था। यहां 150 सीटें हैं। एनएमसी टीम जांच के लिए मेडिकल कॉलेज आई थी। आरोप है कि 50 सीटें बढ़ाने के लिए जो दावे किए गए थे, वे यहां नहीं मिले, बल्कि अनुकूल मान्यता रिपोर्ट के लिए फर्जी फैकल्टी की तैनाती दर्शाई गई। काल्पनिक रोगियों का फैकल्टी से इलाज दिखाया गया था। फैकल्टी की उपस्थिति दिखाने के लिए बायोमेट्रिक से छेड़छाड़ की गई थी।

सीबीआई ने शुरुआती जांच के बाद डॉ. शिवानी अग्रवाल के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद उनके आवास और इंस्टीट्यूट पर मंगलवार को छानबीन की गई। बताया जा रहा है कि सीबीआई की टीम जो कागजात अपने साथ लेकर गई थी, उसकी पड़ताल की जा रही है। इसके अलावा दर्ज किए गए केस में साक्ष्य में भी जुटाए जा रहे हैं। वहीं, अपने बचाव में डॉ. शिवानी अग्रवाल और डा. सरोजिनी अग्रवाल ने अधिवक्ताओं से भी विधिक राय लेनी शुरू कर दी है। अधिवक्ताओं को एफआईआर की कॉपी भी उपलब्ध करा दी गई है।

मुकदमा दर्ज होने के बाद मेडिकल कॉलेज नहीं पहुंची डॉ. शिवानी अग्रवाल: शिवानी अग्रवाल केस दर्ज होने के बाद बृहस्पतिवार को मेडिकल कॉलेज नहीं पहुंचीं। हालांकि मेडिकल कॉलेज अन्य दिनों के सामान संचालित किया गया। सीबीआई ने 30 जून को ही डॉ. शिवानी अग्रवाल सहित 35 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। सीबीआई के छापा मारने के अगले दिन बुधवार को डॉ. शिवानी अग्रवाल सहित मेडिकल कॉलेज में सभी स्टाफ पहुंचा था। लेकिन बृहस्पतिवार को डॉ. शिवानी अग्रवाल अपनी सीट पर नहीं पहुंची और न ही प्रतिदिन की भांति मेडिकल कॉलेज में दिखाई दीं।

युवती की हत्या: घर में चारपाई पर मिली लाश...चोरों ओर बिखरा खून, गले पर गहरे जख्म; पांच महीने बाद होनी थी शादी

आगरा, एजेंसी। एटा के जलेसर में युवती के बेरहमी से हत्या कर दी गई। युवती की शादी पांच महीने बाद होनी थी। चारपाई पर उसकी खून से सनी लाश देख परिजनों के होश उड़ गए।

एटा के जलेसर थाना सकरौली क्षेत्र के गांव बारासमसपुर में एक 21 वर्षीय युवती काजल का शव खून से लथपथ अवस्था में कमरे में पाया गया। अज्ञात लोगों द्वारा धारदार हथियार से गले पर हमला कर उसकी हत्या की गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, डॉग स्क्वाड और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। सीओ ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, सकरौली एसओ नीता माहेश्वरी, जलेसर सीएचसी सुधीर राघव और अवागढ़ एसएचओ अखिलेश दीक्षित ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

परिजनों के अनुसार, काजल की हत्या बेहद निर्मम तरीके से की गई है। उसके गले पर गहरे जख्म के निशान हैं और उसका शव बेड के पास जमीन पर खून से लथपथ पड़ा मिला। काजल का रिश्ता जिला हाथरस के गांव ऐहन में पक्का हो चुका था और उसकी शादी 7 नवंबर को होने वाली थी। काजल की हत्या से परिवार में कोहराम मच गया है।

विराट और रोहित को नीली जर्सी में देखने के लिए करना पड़ेगा और इंतजार !

रद्द हो सकता बांग्लादेश का दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ट और टी-20 से संन्यास ले चुके विराट कोहली और रोहित शर्मा को मैदान पर देखने के लिए क्रिकेट फैंस बेकरार हैं. ये दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे क्रिकेट में ही खेलते हुए नजर आएंगे. क्रिकेट फैंस को उम्मीद थी अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में ये दोनों खिलाड़ी नीली जर्सी में दिखाई देंगे, लेकिन अब बांग्लादेश का दौरा खटाई में पड़ता हुआ दिख रहा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक टीम इंडिया का बांग्लादेश दौरा रद्द हो सकता है. पड़ोसी देश में हालात अच्छे नहीं है. शायद इसी वजह से केंद्र सरकार इस दौरे की इजाजत भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को नहीं दे रही है, क्योंकि वहां पर खिलाड़ियों की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है.

भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने बांग्लादेश के दौरे पर जाने वाली थी, लेकिन अब इस दौरे पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश में इन दिनों हालात अच्छे नहीं हैं. सत्ता परिवर्तन के बाद वहां पर माहौल काफी बिगड़ गए हैं. माना जा रहा है कि केंद्र सरकार खिलाड़ियों की सुरक्षा को देखते हुए भारतीय टीम को बांग्लादेश दौरे पर जाने की इजाजत नहीं देगी. इस बारे में जल्दी ही ऑफिशियल घोषणा हो सकती है.इसके अलावा बीसीसीआई और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड आगामी सीरीज को लेकर जल्दी ही बड़ा फैसला ले सकते हैं. संभावना जताई जा रही है कि ये दौरा रद्द हो सकता है, लेकिन दोनों बोर्ड दौरा रद्द करने के बजाय इसे कुछ दिनों के लिए टालने पर सहमत हो सकते हैं. बीसीबी ने इस सीरीज के लिए मीडिया राइट्स की बिटिंग भी टाल दी है.

एशिया कप के लिए पाकिस्तान हॉकी टीम को भारत आने की मंजूरी पर बिफरे आदित्य ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। हॉकी एशिया कप का आयोजन 27 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में होना है। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने बताया था कि वे बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में किसी टीम के शामिल होने के विरुद्ध नहीं हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने हॉकी एशिया कप के लिए पाकिस्तान हॉकी टीम को भारत आने की मंजूरी देने की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। आदित्य ठाकरे ने इस मामले को लेकर केंद्र सरकार को घेरा है। ऐसी खबरें आई थी कि खेल मंत्रालय पाकिस्तान हॉकी टीम को भारत में होने वाले एशिया कप में शामिल होने से नहीं रोकेगी। अब इस पर आदित्य ठाकरे ने सवाल खड़े किए हैं और सरकार की आलोचना की है। हॉकी एशिया कप का आयोजन 27 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में होना है। भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ महीनों से चल रहे तनाव के मद्देनजर इस पर संशय चल रहा था कि पाकिस्तान की हॉकी टीम इस टूर्नामेंट के लिए भारत आएगी या नहीं।

घरेलू मैदान पर अपने ही नाम के टूर्नामेंट में दम दिखाने उतरेंगे नीरज, खिताब के होंगे दावेदार

बंगलूरू, एजेंसी। नीरज इस सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने 90 मीटर की बहुप्रतिक्षित बाधा भी पार कर ली है। उन्होंने 24 जून को ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक और 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में जीत हासिल की थी और अब उनकी नजरें एनसी क्लासिक में जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी।दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा भारत में प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे। नीरज चोपड़ा क्लासिक (एनसी) टूर्नामेंट में नीरज अपने ही नाम के टूर्नामेंट में दम दिखाने उतरेंगे। इस टूर्नामेंट का आयोजन शनिवार को बंगलूरू के कांतीरावा स्टेडियम में होगा जिसमें नीरज खिताब जीतने के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेंगे। नीरज इस सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने 90 मीटर की बहुप्रतिक्षित बाधा भी पार कर ली है। उन्होंने 24 जून को ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक और 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में जीत हासिल की थी और अब उनकी नजरें एनसी क्लासिक में जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी। 27 वर्ष के नीरज इस खेल में लगभग सभी खिताब जीत चुके हैं जिनमें ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक, डायमंड लीग फाइनल ट्रॉफी, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक शामिल हैं।इस टूर्नामेंट में 12 खिलाड़ियों में सात विदेशी एथलीट और नीरज सहित पांच भारतीय होंगे। नीरज के अलावा चार भारतीय सचिन यादव, यशवीर सिंह, रोहित यादव और साहिल सिलवाल हैं। जर्मनी के 2016 ओलंपिक चैंपियन थॉमस रोहलर, कीनिया के 2015 विश्व चैंपियन जूलियस येगो, अमेरिकी कर्टिस थॉम्पसन, चेक गणराज्य के मार्टिन कोनेकनी, ब्राजील के लुइस मौरिसियो दा सिल्वा, श्रीलंका के रुमेश पथिरेज और पोलैंड के साइप्रियन मिर्जिगलोड विदेशी प्रतियोगी हैं। नीरज चोपड़ा क्लासिक का पहला सत्र भारतीय प्रशंसकों को विश्व स्तरीय टूर्नामेंट देखने का मौका देने के मकसद से आयोजित किया गया है जिससे खेल की लोकप्रियता भी बढ़ेगी।

शिखर धवन की आत्मकथा द वन की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय ओपनर शिखर धवन के जीवन पर उनकी आत्मकथा द वन आ रही है। उन्होंने इसकी घोषणा इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करके दी। धवन ने बताया कि मेरी किताब सिर्फ क्रिकेट के मैदान की बात नहीं करती। यह मेरे जीवन के उन पड़ावों, अनदेखे पलों, और मुश्किल दिनों की कहानी है, जब मुझे चोटों और चुनौतियों से जूझना पड़ा। यह किताब बताती है कि मैं आज जहां हूं, वहां तक कैसे पहुंचा। द वन में धवन के दिल्ली में बचपन से लेकर भारतीय जर्सी पहनने के सपने और वनडे क्रिकेट में भारत के सबसे शानदार ओपनर बनने तक का सफर शामिल है। किताब में उनके क्रिकेट करियर के शानदार पल तो होंगे ही, लेकिन इसमें उनकी निजी जिंदगी की चुनौतियां, चोटों का दर्द और क्रिकेट कमबैक की कहानियां भी होंगी।धवन क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट के जरिए अपने शानदार करियर को अलविदा कहा था। धवन ने 167 वनडे मैचों में 44.1 की औसत से 6,793 रन बनाए, जिसमें 17 शतक और 39 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 34 मैचों में 40.6 की औसत से 2,315 रन बनाए, जिसमें 7 शतक और 5 अर्धशतक थे। टी20 में उन्होंने 68 मैचों में 1,759 रन बनाए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम 122 मैचों में 8,499 रन हैं।

शुभमन ने गावस्कर, तेंदुलकर और कोहली के रिकॉर्ड तोड़े

इंग्लैंड में बेस्ट स्कोर, बतौर भारतीय कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाए

बर्मिंघम/नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में भारत ने 587 रन बनाए थे। कप्तान शुभमन गिल ने 269 रन की पारी खेलकर सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के रिकॉर्ड तोड़े। वे सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय कप्तान बने। वहीं भारत ने 18 साल बाद इंग्लैंड में 500 रन का आंकड़ा पार किया।

25 की उम्र में 2 फॉर्मेट में दोहरे शतक –कप्तान शुभमन गिल ने बर्मिंघम में पहले दिन शतक लगाया, जिसे दूसरे दिन उन्होंने डबल सेंचुरी में बदल दिया। 25 साल के शुभमन 269 रन बनाकर आउट हुए। यह टेस्ट में उनका पहला ही दोहरा शतक रहा। वे 23 साल की उम्र में वनडे फॉर्मेट में भी डबल सेंचुरी लगा चुके हैं। शुभमन 2 अलग-अलग फॉर्मेट में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा प्लेयर बने। उन्होंने रोहित का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 32 साल की उम्र में दोनों फॉर्मेट में डबल सेंचुरी लगाई थी।

शुभमन ने इंग्लैंड में बेस्ट स्कोर बनाया – शुभमन इंग्लैंड में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय प्लेयर भी बने। उन्होंने सुनील गावस्कर का 46 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। गावस्कर ने 1979 में द ओवल के मैदान पर 221 रन बनाए थे। इन 2 के अलावा राहुल द्रविड़ ही 2002 में इंग्लैंड के मैदान पर दोहरा शतक लगा सके हैं।

एशिया के बाहर बेस्ट टेस्ट स्कोर बनाने वाले भारतीय – शुभमन एशिया के बाहर भी सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय बने। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2004 में सिडनी के मैदान पर 241 रन बनाए थे।

भारतीय कप्तान का बेस्ट स्कोर –शुभमन की डबल सेंचुरी किसी भारतीय कप्तान का भी टेस्ट में बेस्ट स्कोर रहा। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पुणे में 254 रन की नॉटआउट इनिंग खेली थी।

दोहरा शतक लगाने वाले छठे भारतीय कप्तान बने – शुभमन ने अपने टेस्ट करियर का पहला ही दोहरा शतक लगाया, लेकिन यह उन्होंने अपनी कप्तानी में किया। वे टेस्ट में डबल सेंचुरी लगाने वाले छठे भारतीय कप्तान बने। विराट कोहली, एमएस धोनी, सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर और मंसूर अली खां पटौदी भी बतौर कप्तान दोहरा शतक लगा चुके हैं।

इंग्लैंड में भारतीय कप्तान का बेस्ट स्कोर बनाया – शुभमन ने इंग्लैंड में भारतीय कप्तान के रूप में भी बेस्ट स्कोर बनाया। उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1990 में मैनचेस्टर के मैदान पर 179 रन की पारी खेली थी।

इंग्लैंड में विदेशी कप्तान का तीसरा बेस्ट स्कोर – शुभमन के 269 रन इंग्लैंड में किसी विदेशी कप्तान का तीसरा बेस्ट स्कोर रहा। वे साउथ अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ से आगे निकले, जिन्होंने लॉर्ड्स स्टेडियम में 259 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के बॉब सिम्प्सन 311 रन बनाकर पहले नंबर पर हैं।

भारत के बाहर 250+ बनाने वाले तीसरे भारतीय – शुभमन गिल भारत के बाहर 250 से ज्यादा का टेस्ट स्कोर बनाने वाले तीसरे ही भारतीय बने। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ ही ऐसा कर सके। दोनों ने पाकिस्तान ने 250 प्लस का स्कोर बनाया था।

शुभमन ने अपना बेस्ट फर्स्ट क्लास स्कोर बनाया –शुभमन गिल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी अपना बेस्ट स्कोर बना लिया। इससे पहले 2018 में उन्होंने मोहाली के मैदान पर तमिलनाडु के खिलाफ 268 रन बनाए थे। तब वे अपनी घरेलू टीम पंजाब के लिए खेल रहे थे।

भारतीय कप्तान का बेस्ट टेस्ट स्कोर

प्लेयर	स्कोर	खिलाफ	कहां	कब
शुभमन गिल	269	इंग्लैंड	बर्मिंघम	2025
विराट कोहली	254*	सा. अफ्रीका	पुणे	2019
विराट कोहली	243	श्रीलंका	दिल्ली	2017
विराट कोहली	235	इंग्लैंड	मुंबई	2016
एमएस धोनी	224	ऑस्ट्रेलिया	चेन्नई	2013

कार दुर्घटना में पुर्तगाली फुटबॉलर डिएगो जोटा की मौत

टायर फटने से पलटी कार, आग लगी; भाई की भी गई जान

पुर्तगाल (एजेंसी)। 28 साल के पुर्तगाली फॉरवर्ड डिएगो जोटा का कार एक्सीडेंट में निधन हो गया। वह लिवरपूल से भी खेलते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुर्तगाली सीमा के जमोरा प्रांत में उनके कार का एक्सीडेंट हो गया। डिएगो जोटा एक लेम्बोर्गिनी चला रहे थे। स्थानीय खबरों के अनुसार उनके कार का टायर फट गया। उनकी कार पलट गई और फिर उसमें आग लग गई। यह घटना गुरुवार की सुबह हुई।

डिएगो जोटा के भाई की भी जान चली गई –जोटा के साथ उनके छोटे भाई आंद्रे सिल्वा (26 वर्ष) भी गाड़ी में थे। वह भी एक पेशेवर फुटबॉलर थे और पुर्तगाली टीम स्त्रष्ट पेनाफिल के लिए खेलते थे। दोनों भाइयों की इस हादसे में मौत हो गई।

जोटा की दो हफ्ते पहले हुई थी शादी –जोटा की दो हफ्ते पहले ही शादी हुई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, स्पेन के जमोरा में स्थानीय फायर अधिकारियों ने बताया कि दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की उम्र 28 और 26 साल थी।

एवर्टन के खिलाफ डिएगो जोटा के करियर का आखिरी गोल – डिएगो जोटा के नाम 130 से ज्यादा गोल हैं। मौजूदा समय में वह लिवरपूल से खेल रहे थे। उन्होंने अपने करियर का आखिरी गोल 2 अप्रैल को किया था। ये गोल एवर्टन और लिवरपूल के बीच खेले गए मुकाबले में आया था। डिएगो जोटा का ये गोल बेहद धमाकेदार था। उन्हें मिडफील्डर से एक पास मिला। इसके बाद जोटा ने एक-दो नहीं, बल्कि एवर्टन के 5 डिफेंडर्स को चकमा देते हुए गेंद को गोल पोस्ट तक पहुंचाया था। इस गोल में जोटा की शानदार ड्रिबलिंग देखने को मिली थी। इस गोल के दम पर लिवरपूल ने इस मुकाबले को 1-0 से जीत लिया।

मुझे अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा है

गुकेश से हारने के बाद बोले वर्ल्ड नम्बर 1 कार्लसन

जगरेब (क्रोसिया) (एजेंसी)। विश्व चैम्पियन डी गुकेश के खिलाफ लगातार दूसरी हार के बाद दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने कहा कि उन्हें अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा है। भारत के 19 वर्ष के ग्रैंडमास्टर गुकेश ने पूर्व विश्व चैम्पियन को सुपर युनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के रैपिड वर्ग में हराया। इससे पहले नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में उन्होंने क्लासिकल प्रारूप में मात दी थी।

कार्लसन ने हार के बाद कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा है। जब मैं खेल रहा हूं तो कोई प्रवाह नहीं लग रहा। मेरा खेल लगातार खराब हो रहा है। उन्होंने गुकेश के बारे में कहा, 'वह शानदार खेल रहा है। अभी टूर्नामेंट काफी लंबा है लेकिन लगातार पांच मैच जीतना कोई छोटी बात नहीं है।

सुपरयूनाइटेड रैपिड के दूसरे दिन का समापन हो गया। गुकेश ने दिन की शुरुआत पहले उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तारोव को पराजित करते हुए की और उसके बाद उन्होने यूएसए के फबियानों करूआना को मात देते हुए लगातार दूसरी जीत से एकल बढ़त कायम कर ली। लेकिन इसके बाद सबसे बड़े मुकाबले में गुकेश ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मैगनस कार्लसन के बीच मुकाबला हुआ जिसमें काले मोहरो से खेल रहे गुकेश एक समय इंग्लिश ओपनिंग मे मुश्किल मे नजर आ रहे थे पर कार्लसन की प्यादे की एक गलत चाल के बाद गुकेश नें बेहद शानदार खेल दिखाते हुए 49 चालों मे जीत दर्ज की।

गुकेश की यह जीत इसीलिए भी खास है क्योंकि प्रतियोगिता के पहले कार्लसन नें गुकेश को रैपिड मे कमजोर खिलाड़ी करार दिया था। फिलहाल अब गुकेश 10 अंको के साथ सबसे आगे चल रहे है। गुकेश न केवल हर मैच में गहरी तैयारी और आत्मविश्वास दिखा रहे हैं बल्कि उन्होंने समय का भी बेहतरीन प्रबंधन किया है, जिससे उनके विरोधियों पर लगातार दबाव बना हुआ है। अब टूर्नामेंट में तीन राउंड बाकी हैं और गुकेश फिलहाल सभी को पछाड़ते हुए पहले स्थान पर काबिज हैं।

भारत-पाक तनावों के बीच क्या पाकिस्तान की टीम भारत खेलने आएगी या नहीं? पीसीबी ने कहा अभी इजाजत नहीं मिली

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की हॉकी टीमों का इस साल भारत में होने वाले दो बड़े टूर्नामेंटों में हिस्सा लेना अभी भी तय नहीं है। पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीसीबी) और पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ)के वरिष्ठ अधिकारियों ने जानकारी दी है कि उन्हें अब तक सरकार से टूर्नामेंट में भाग लेने की इजाज़त नहीं मिली है।गौरतलब है कि इस साल एशिया कप का आयोजन बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से 7 सितंबर तक होना है, जबकि जूनियर हॉकी विश्व कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

भारत के खेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा है कि पाकिस्तान की टीमों को इन बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोका नहीं जाएगा, क्योंकि ऐसा कोई भी फैसला ओलंपिक चार्टर का उल्लंघन माना जाएगा। यानी भारत की तरफ से पाकिस्तान की टीमों को आने से रोकने की कोई योजना नहीं है।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ के महासचिव राणा मुजाहिद ने बताया कि उन्होंने आधिकारिक रूप से पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) से भारत में टीम भेजने की मंजूरी मांगी है। लेकिन अब तक इस पर कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि पीएसबी ने उनका अनुरोध आगे संबंधित मंत्रालयों को भेज दिया है।

पीएसबी के प्रवक्ता खुर्रम शहजाद ने भी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि जब तक सरकार भारत में टीम भेजने को लेकर कोई नीति नहीं बनाती, तब तक पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि पीएचएफ की तरफ से जो अनुरोध आया था, उसे अंतर-प्रांतीय समन्वय मंत्रालय को भेजा गया है, और वहां से यह मामला गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के पास भेजा गया है। अब सभी को उनके अंतिम फैसले का इंतजार है।

यानी फिलहाल पाकिस्तान की हॉकी टीमों की भारत यात्रा और टूर्नामेंट में भागीदारी पर संशय बना हुआ है, और सबकी नजर अब पाक सरकार के फैसले पर टिकी है।

कनाडा ओपन

कनाडा ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे किदांबी श्रीकांत, चीनी ताइपे के खिलाड़ी को हराया

कालगैरी, एजेंसी। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता और 2022 थॉमस कप विजेता श्रीकांत ने दुनिया के 71वें नंबर के खिलाड़ी वांग को 21-19, 21-12 से शिकस्त दी।भारत के किदांबी श्रीकांत कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। श्रीकांत ने पुरुष एकल वर्ग में तीनी ताइपे के वांग पो वेई को सीधे गेम में हराया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता और 2022 थॉमस कप विजेता श्रीकांत ने दुनिया के 71वें नंबर के खिलाड़ी वांग को 21-19, 21-12 से शिकस्त दी। इस साल मई में मलयेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले दुनिया के 49वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत का सामना अब चीनी ताइपे के शीर्ष वरीय चोउ टिएन चेन से हो सकता है। शुरुआती गेम में श्रीकांत ज्यादातर समय पीछे चल रहे थे और उन्होंने 5-11 के स्कोर से वापसी करते हुए स्कोर 18-18 किया। इसके बाद उन्होंने अगले चार प्वाइंट हासिल किए।

चेस

विश्व चैंपियन गुकेश ने दी नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को मात, छठे दौर में हराया; लगातार दूसरी जीत दर्ज की

जागरेब, एजेंसी। पहले दिन तीन में से दो मैच जीतने वाले गुकेश ने चौथे और पांचवें दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को हराया था। वह 10 अंकों के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष बढ़त पर आ गए हैं। विश्व शतरंज चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने ग्रैंड शतरंज टूर रैपिड 2025 के जागरेब चरण में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को काले मोहरों के साथ छठे राउंड में हरा दिया। वह 10 अंकों के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष बढ़त पर आ गए हैं। पहले दिन तीन में से दो मैच जीतने वाले गुकेश ने चौथे और पांचवें दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को हराया था। यह गुकेश की कार्लसन पर लगातार दूसरी जीत है। पिछले महीने उन्होंने कार्लसन को नार्वे शतरंज में हराया था। गुकेश को पहले मुकाबले में पोलैंड के डूडा ने 59 चालों में मात दी। इसके बाद गुकेश ने वापसी की। उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और हमवतन प्रज्ञानंद को मात दी।